दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 26 अंक 334 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

बुधवार 11 मार्च 2026 डाक-गुरूवार 12 मार्च 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

प्रथमेश

पाकिस्तान ने स्वीकारी गलती! माना- अफगानिस्तान में भारतीय मिशन को निशाना बनाया, रमजान के दौरान महिलाओं-बच्चों को पहुंचाया नुकसान

यूनाइटेड नेशंस ,11 मार्च । पाकिस्तान ने चुपचाप यह मान लिया है कि वह अफगानिस्तान में भारतीय मिशन को निशाना बना रहा था और ०रमजान के दौरान उसके हवाई हमलों का ज्यादातर महिलाओं और बच्चों पर असर पड़ा है। कूटनीतिक समझदारी दिखाते हुए, सोमवार को सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्य ने अफगानिस्तान पर एयर अटैक या क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म को मानवता के खिलाफ बताते हुए पाकिस्तान का नाम नहीं लिया। लेकिन पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद यह मानकर उनके जाल में फंस गए कि ये बातें उनके देश के बारे में थीं। उन्होंने यह माना कि भारत के खिलाफ क्रॉस-बॉर्डर टेररिज्म और अफगानिस्तान पर एयर अटैक में इस्लामाबाद का हाथ था, जिसमें ज्यादातर औरतें और बच्चे मारे गए थे। उन्होंने यह भी माना कि अफगानिस्तान को भारत की मदद खत्म हो गई है, जब उन्होंने कहा कि भारत को अपने भारी निवेश को पाकिस्तान की सटीक और असरदार कार्रवाई की वजह से बर्बाद होते देखकर दुख हो रहा है। हालांकि जिस तरह बात कही गई उससे यह साफ था कि हरीश किसकी बात कर रहे थे, लेकिन आम कूटनीतिक प्रैक्टिस में, देश उन बुराईयों का जवाब नहीं देते जिनमें उनका नाम नहीं लिया जाता, क्योंकि ऐसा करना यह मानना होगा कि उन पर आरोप लगाया जा रहा है।

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा 'नरेंदर-सरेंडर' के नारे लगे

विपक्ष का आरोप- बिरला सरकार के दबाव में हैं

नई दिल्ली ,11 मार्च (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज का आज तीसरा दिन है। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही प्रश्नकाल में ही विपक्ष ने हंगामा शुरू किया।'नरेंदर-सरेंडर' के नारे लगाए।

विपक्ष ने अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का भारत पर असर और गैस-पेट्रोल के मुद्दे पर चर्चा की मांग की। विपक्ष के लगातार हंगामे के चलते सदन दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित किया गया। सदन का कार्यवाही दोबारा शुरू हुई है।

आज भी स्पीकर ओम बिरला को हटाने के लिए विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की

जानी है। इस पर चर्चा के लिए कल 10 घंटे का समय तय हुआ है, जिसमें मंगलवार को करीब 7 घंटे तक बहस हो चुकी है। आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन को संबोधित करेंगे।

मंगलवार को सत्र के दूसरे दिन विपक्षी सांसद ओम बिरला पर सदन की कार्यवाही में पक्षपात का आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लाए थे। 50 से अधिक सांसदों के प्रस्ताव के समर्थन में वोट करने के बाद पीठासीन अधिकारी ने इसे सदन में पेश करने और चर्चा की मंजूरी दी थी।

बहस की शुरुआत करते हुए कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि बजट सत्र के दौरान 20 बार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को रोका-टोका गया। उन्हें बार बार रूलिंग बुक दिखाई गई। विपक्ष ने कहा कि स्पीकर सरकार के दबाव में काम कर रहे हैं। वहीं संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ओम बिरला पर लगे आरोप झूठे हैं। वे निष्पक्षता से सदन की कार्यवाही चलाते हैं। 15वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष केवल 2 बार बोले। जब सेशन चलता है, तो विदेश चले जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा को दी इच्छा मृत्यु की इजाजत देश का पहला ऐसा मामला, 13 साल से कोमा में पड़े

नई दिल्ली ,11 मार्च (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद के निवासी हरीश राणा को पैसिव यूथेनेसिया (इच्छा मृत्यु) की अनुमति दे दी है। करीब 13 साल से अचेत अवस्था में बिस्तर पर पड़े हरीश को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि उन्हें एम्स के पैलिएटिव केयर विभाग में भर्ती कराया जाए, जहां चिकित्सा प्रक्रिया के तहत जीवनरक्षक उपचार वापस लिया जाएगा।

अदालत ने कहा कि पूरी प्रक्रिया गरिमा और सम्मान के साथ पूरी की जानी चाहिए। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हरीश के परिजनों से भी बातचीत की थी। 100 प्रतिशत दिव्यांगता से जूझ रहे बेटे के ठीक होने की उम्मीद खत्म होने के बाद उसके माता-पिता ने ही इच्छा मृत्यु की अनुमति देने की मांग की थी। एम्स की मेडिकल रिपोर्ट में भी कहा गया है कि हरीश के ठीक होने की संभावना नहीं है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा था, 'यह बेहद दुखद रिपोर्ट है। यह हमारे लिए भी एक कठिन फैसला है, लेकिन हम इस युवक को अनंत पीड़ा में नहीं रख सकते। अब वह समय आ गया है जब हमें अंतिम निर्णय लेना होगा।'

हरीश राणा वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में पढ़ाई के दौरान अपने हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए थे, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। तब से वह लगातार अचेत अवस्था में बिस्तर पर हैं। लंबे समय तक बिस्तर पर रहने के कारण उनके शरीर पर कई घाव भी हो गए हैं।

जंग में अमेरिका के 140 सैनिक घायल, सात की मौत

इजराइल में कई जगह बमबारी, ईरान में अब तक 8000 घरों पर हमला

नई दिल्ली ,11 मार्च (एजेंसी)।अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 12वां दिन है। इस युद्ध में अब तक 140 अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं, जबकि 7 सैनिकों की मौत की पुष्टि हुई है।

उधर ईरान का कहना है कि उसके देश में हुए हमलों में करीब 8000 घरों को नुकसान पहुंचा है और 1300 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत अमीर सईद इरावानी के मुताबिक देश में करीब 9600 सिविलियन इलाकों को निशाना बनाया गया। इनमें घरों

के अलावा बाजार, अस्पताल, मेडिसिन सेंटर्स और स्कूल भी शामिल हैं।

इस बीच ईरान ने यह भी दावा किया है कि उसने इजराइल के कई शहरों पर मिसाइल हमले किए हैं। ईरान के मुताबिक हाइफा, यरुशलम और तेल अवीव को निशाना बनाया गया।

ऑनलाइन गेमिंग की लत पड़ी महंगी, बेटे ने पिता को मुआवजे में मिले 1.77 करोड़ रुपए गंवाए, फिर निगला जहर

नई दिल्ली ,11 मार्च (एजेंसी)। ऑनलाइन गेमिंग और जल्दी मुनाफा कमाने के लालच में एक युवक द्वारा बड़ी रकम गंवाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के झबरेड़ा थाना क्षेत्र के 18 वर्षीय युवक ने ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंसकर अपने किसान पिता के 1.77 करोड़ रुपये ठगों को ट्रांसफर कर दिए। शिकायत के आधार पर देहरादून स्थित साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर में अभिमन्यु ने बताया कि जनवरी 2025 में उसने प्ले स्टोर से स्पोर्ट्स बाजी, प्रोबो और ड्रीम11 जैसी गेमिंग ऐप डाउनलोड कर उनमें पैसे लगाना शुरू किया। जून 2025 में इन ऐप्स के बंद होने के बाद उसे यूट्यूब पर 'विन अड्डा' नाम की एक गेमिंग वेबसाइट का विज्ञापन दिखाई दिया। वेबसाइट पर अपनी जानकारी दर्ज करने के बाद उसके व्हाट्सऐप पर विदेशी कोड (+237, +234,

+94 आदि) वाले अनजान नंबरों से कई तथाकथित वीआईपी लिंक आने लगे।

ठगों ने उसे कम पैसे लगाकर दोगुना मुनाफा कमाने का झांसा दिया। शुरुआत में मामूली लाभ देकर उसका भरोसा जीत लिया गया। इसके बाद युवक ने अपने और अपने पिता के पंजाब नेशनल बैंक, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के कुल पांच खातों से यूपीआई के जरिए रकम ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच उसने करीब 1.77 करोड़ रुपये ठगों के खातों में भेज दिए।

जब युवक ने अपनी मूल रकम और मुनाफा वापस मांगा तो जालसाजों ने पैसे लौटाने से इनकार कर दिया और उल्टे और पैसे जमा कराने का दबाव बनाने लगे। ठगी का अहसास होने पर युवक ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया, हालांकि समय रहते उसकी जान बचा ली गई। साइबर क्राइम थाने के एएसपी कुश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। युवक ने जिस मोबाइल फोन से पैसे ट्रांसफर किए थे, उसे भी वह बाद में बेच चुका है।

एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह के अनुसार, पीड़ित का परिवार किसान है और युवक बीसीए का छात्र है। उसके पिता को दून-दिल्ली एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित जमीन का मुआवजा मिला था, जिसकी बड़ी रकम इस ठगी में चली गई।

छत्तीसगढ़ में मतांतरणरोधी नए कानून को कैबिनेट की मंजूरी, इसी बजट सत्र में होगा पेश

रायपुर,11 मार्च (एजेंसी)। राज्य सरकार ने जबरन मतांतरण रोकने के लिए नए कानून को मंजूरी दे दी है। इसी बजट सत्र में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 विधानसभा में पेश किया जाएगा। मंगलवार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में कई निर्णय लिए है। सूत्रों के अनुसार मतांतरण कानून लागू हुआ तो स्वैच्छिक मतांतरण करने से कम से कम 60 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को लिखित सूचना देनी होगी।

बलपूर्वक, प्रलोभन,

छल-कपट या धोखाधड़ी से कराए गए मतांतरण पर 10 साल तक की जेल और भारी जुर्माने का प्रविधान है। यदि सामूहिक रूप से मतांतरण कराया जाता है, तो सजा और भी कठोर होगी। मतांतरण के बाद 60 दिनों के भीतर एक घोषणा पत्र भरना होगा और प्रशासन इसकी जांच करेगा कि यह स्वेच्छा से हुआ है या नहीं।

माओवादियों का लीडर गणपति गृह मंत्री अमित शाह के सामने कर सकता है सरेंडर, 10 करोड़ रुपये का है इनाम

जगदलपुर,11 मार्च (एजेंसी)। लगभग पांच दशक तक माओवादी आंदोलन का नेतृत्व करने वाला मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में आत्मसमर्पण कर सकता है। गणपति देश का सबसे वांछित माओवादी हिंसक है, जिस पर कई राज्यों को मिलाकर लगभग 10 करोड़ रुपये का इनाम है।

गणपति ने पांच दशक तक देश में सशस्त्र माओवादी आंदोलन का नेतृत्व किया और 2018 में बीमारी और बुढ़ापे के कारण महासचिव के पद से हट गया था। ऑपरेशन कगार के बाद वह नेपाल में छिपा हुआ था, जिसे पिछले दिनों वहां से पकड़

कर भारत लाया गया था।

विशेषज्ञों का मानना है कि गणपति का आत्मसमर्पण माओवादी सशस्त्र आंदोलन के लिए बड़ा झटका हो सकता है। उसके नेतृत्व में देश भर में कई बड़े हमले हुए और माओवादी नेटवर्क का विस्तार हुआ। आंदोलन में उसे 'टीचर' के नाम से जाना जाता था। हाल ही में, जब माओवादी नेता देवजी, चोक्का राव, मल्लाजी रेड्डी और अन्य ने आत्मसमर्पण किया, तब तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, तेलंगाना डीजीपी, आइजीपी और एसआईबी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बैठक कर गणपति के संभावित आत्मसमर्पण पर चर्चा की। गणपति का पैतृक स्थान तेलंगाना के जगतियाल जिले का सारंगापुर है। उसकी पत्नी सुजाता भी कथित तौर पर आंदोलन से जुड़ी हुई है।

अब छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में मिली अफीम की खेती, 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

अंबिकापुर,11 मार्च (एजेंसी)। दुर्ग के समोदा के बाद अब बलरामपुर जिले के कुसमी थाना क्षेत्र के त्रिपुरी में भी अफीम की खेती का मामला सामने आया है। त्रिपुरी के छुईडांड़ क्षेत्र में रूपदेव और कोसिल नामक ग्रामीणों की लगभग तीन एकड़ भूमि पर अफीम की खेती की गई थी। झारखंड के रहने वाले एक व्यक्ति ने फूलों की खेती के नाम पर यह भूमि किराए पर लेकर अफीम की खेती की।

जशपुर के आस्ता थाना क्षेत्र के ईरई निवासी जिरमल राम ने अफीम की खेती करने वालों और भू स्वामियों के बीच मध्यस्थता की थी। अफीम की फसल में फल लग चुके थे और चीरा लगाकर अफीम बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी थी। ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अफीम की फसल को जब्त कर लिया।

पुलिस ने स्थानीय मजदूरों के साथ-साथ दोनों भू स्वामियों को भी हिरासत में लिया। अफीम की फसल वाले खेत के बगल के भू स्वामी जिलेश्वर को भी पूछताछ के लिए पकड़ा गया है। पुलिस ने लगभग चार से पांच बोरा डोडा भी जब्त किया है। अब जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बलरामपुर कलेक्टर राजेंद्र कटारा और पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर भी मौके पर पहुंचे।

वाह वाह

०० पति दारू पीकर रात को घर देरी से पहुंचा, तो पत्नी हाथ में झाड़ू लेकर सामने खड़ी थी...!

पति - कितना काम करेगी तू...? ला ये झाड़ू मुझे दे दे, रात के दो बजे हैं, सोना नहीं है क्या...? कुछ तो अपना ख्याल कर पगली...!

ये सुनकर बेचारी पत्नी की आंखों में आंसू आ गए...!

एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी पर प्रशासन का शिकंजा: घर में चल रहा था रिफिलिंग का काम, छापेमारी में भारी मात्रा में सिलेंडर जब्त

बस्तर,11 मार्च (एजेंसी)। ईरान में चल रहे तनाव के बीच देश में गैस सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी का फायदा उठाकर कुछ लोग एलपीजी की कालाबाजारी करने में जुटे हैं। इसी बीच बस्तर जिला प्रशासन ने गैस की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में सिलेंडर जब्त किए हैं।

खाद्य विभाग की टीम ने शहर के दीनदयाल उपाध्याय वार्ड में यह कार्रवाई की। विभाग को राउतपारा स्थित बालाजी केयर हॉस्पिटल के पास अवैध

रूप से गैस सिलेंडर भंडारण की पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर टीम ने प्रशांत महाजन नामक व्यक्ति के घर पर अचानक दबिश दी। निरीक्षण के दौरान घर के भीतर गैस सिलेंडरों का बड़ा जखीरा मिला, जिसका कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। अधिकारियों ने मौके से 24 घरेलू गैस सिलेंडर और 10 कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए। इसके साथ ही सिलेंडरों से अवैध रूप से गैस निकालने और रिफिलिंग के लिए इस्तेमाल होने वाले 3 रिफिलिंग पाइप भी जब्त किए गए। प्रशासन का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे तनाव के कारण घरेलू गैस की सीमित आपूर्ति का लाभ उठाकर कुछ लोग ऊंचे दामों पर गैस बेचने की फिराक में हैं। इसी कालाबाजारी को रोकने और आम जनता को सुचारू रूप से गैस उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन अब कड़ा रुख अख्तियार कर रहा है।

एयरफोर्स के विंग कमांडर ने की खुदकुशी कारण अस्पष्ट, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर,11 मार्च (एजेंसी)। रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एयरफोर्स के एक विंग कमांडर द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी है। पत्नी बेंगलुरु में जॉब करती है। दो बच्चे पिता के साथ रायपुर में रहते थे। पति पत्नी के बीच आए दिन विवाद होता था।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एयरफोर्स के विंग कमांडर विपुल यादव (39) ने विधायक

विश्राम गृह स्थित बंगला नंबर 79, पुरैना विधायक कॉलोनी में अपने घर के भीतर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वे यहां अपने परिवार के साथ रह रहे थे।

विंग कमांडर खुदकुशी माले में शुरुआती जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। पत्नी के साथ उनक पारिवारिक विवाद चल रहा था। 2014 में उन्होंने लव मैरिज की थी। पत्नी अर्जिता श्रीवास्तव भी एयरफोर्स में थी अधिकारी थीं। इस्तीफा देकर वो आईटी सेक्टर कंपनी में काम कर रही थी। काम के सिलसिले में परसो वो दिल्ली रवाना हुई थीं। इनके दो बच्चे हैं।

9 साल का बेटा और 7 साल की बेटी है। घटना के समय दोनों बच्चे दूसरे कमरे में सो रहे थे। घर की मेड चाय देने पहुंची तब विंग कमांडर की फंदे पर झूलेदेखा। पुलिस ने मृतक का मोबाइल अपने कब्जे में लिया। एफएसएल टीम और पुलिस की टीमें जांच में जुटी हैं। तेलीबांधा थाना में मर्ग कायम कर सभी पहलुओं पर जांच में जुटी है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने ली समय–सीमा बैठक, विभागीय कार्यों की हुई गहन समीक्षा

उचित मूल्य दुकानों में समय पर खाद्यान्न भंडारण और सुव्यवस्थित राशन वितरण के दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की और उनके बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक अवश्य पहुंचे तथा आपसी समन्वय के साथ तय लक्ष्यों को समय पर पूरा किया जाए।

कलेक्टर ने जिले में मार्च माह के खाद्यान्न भंडारण की स्थिति की समीक्षा करते हुए खाद्य अधिकारी को सभी उचित मूल्य दुकानों में समय पर पर्याप्त राशन भण्डारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में राशन का वितरण पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से कराने की बात कही। जिससे हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने राशन वितरण में अनियमितता करने वाले उचित मूल्य दुकानों की तत्काल जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया। बैठक के दौरान उन्होंने उपार्जन समितियों में भंडारित धान के उठाव की जानकारी ली और प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस संबंध में मिलर्स की बैठक आयोजित करने तथा जारी मांग पत्र के अनुरूप कम उठाव करने वाले मिलर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर श्री दुदावत ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए जा रहे शिविरों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों के साथ-साथ घर-घर जाकर भी छूटे हुए हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड तथा आभा आईडी का शत-प्रतिशत निर्माण सुनिश्चित किया जाए। इस हेतु उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सिकलसेल, गैर-संचारी रोगों, डायबिटीज और हाइपरटेंशन की व्यापक जांच कर शत-प्रतिशत परीक्षण सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही सभी पंचायतों में छूटे हुए हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें निर्धारित योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने पंचायतों में स्वीकृत नए आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण स्थिति की समीक्षा करते हुए पूर्ण, प्रगतिरत एवं अप्रारंभ कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने प्रगतिरत निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने तथा अप्रारंभ कार्यों को जल्द से जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को रेडी-टू-ईट उत्पादन इकाइयों में शीघ्र उत्पादन शुरू कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत जिले में सोलर पैनल स्थापना में तेजी से प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस हेतु विभागीय अधिकारियों को वेंडर्स की नियमित बैठक लेने, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर उन्हें योजना से जोड़ने तथा स्वीकृत प्रकरणों में शीघ्र सोलर पैनल स्थापना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पीएम जनमन योजना अंतर्गत पीवीटीजी बसाहटों में स्वीकृत आवास, सड़कों, नए आंगनवाड़ी भवनों, पुल-पुलियों सहित अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित क्रियान्वयन इकाइयों को निविदा प्रक्रिया एवं वर्क ऑर्डर जारी करने में तेजी लाने तथा सभी कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाउसिंग बोर्ड को निर्माणाधीन शिक्षक आवास और छात्रावास भवनों के निर्माण कार्य में भी गति लाकर निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने जल संचयन जन भागीदारी योजना के तहत जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को जनभागीदारी के माध्यम से प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने और अधिक से अधिक संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने विभागों के समय सीमा के लंबित आवेदनों, मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजीएन जनशिकायत एवं कलेक्टर जनदर्शन के सभी लंबित प्रकरणों का गम्भीरता से परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने निर्देशित किया। बैठक में निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री तरुण कुमार किरण, कटघोरा एसडीएम तन्मय खन्ना, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, नगरीय निकाय सीएमओ एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चरित्र संदेह को लेकर पति ने की पत्नी की हत्या

मारपीट कर उतारा मौत के घाट, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दंपती के बीच मुर्गा भात खाने के बाद चरित्र संदेह को लेकर विवाद शुरू हो गया। पति ने विवाद बढ़ने पर तैश में आकर पत्नी पर बहिंगा (लकड़ी के लंबे डंडे) से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इतने में भी मन नहीं भरा तो उसके सिर को दीवार में पटक दिया, जिससे गंभीर महिला की देर रात मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस फॉरेंसिक एक्सपर्ट के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

घटना जिले के सरहदी थाना पसान अंतर्गत ग्राम साजाकछार सारिसमार की है। यहां राजूलाल कुजुर 37 वर्ष निवास करता है। उसने सोमवार को घर में मुर्गा भात खाने की योजना बनाई थी, जिसमें अपने भतीजे नन्नु कुजुर को भी आमंत्रित किया था। रात करीब 9 बजे तक घर में खाने पीने का दौर चलता रहा। इसके बाद नन्नु घर चला गया। उसके जाते ही राजूलाल और उसकी पत्नी उर्मिला बाई के बीच विवाद शुरू हो गया। राजू ने विवाद बढ़ने पर घर में रखे बहिंगा से पत्नी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। उसके बुरी तरह घायल होने के बाद भी राजू का गुस्सा शांत नहीं हुआ। उसने पत्नी के सिर को दीवार में पटक दिया, जिससे वह लहुलुहान हो गई। उसे अस्पताल ले जाने के बजाय राजू गहरी नींद सो गया। उसकी पत्नी ने इलाज के अभाव में रात करीब तीन बजे दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मंगलवार की तड़के भतीजे नन्नु को हुई। वह सीधे थाना जा पहुंचा। उसने घटना की सूचना पुलिस में दर्ज करा दी। हत्या की खबर मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। थाना प्रभारी चंद्रपाल खांडे आला अफसरों को मामले से अवगत कराते हुए फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम को निरीक्षण के दौरान मृतिका के सिर व शरीर में गंभीर चोंट के निशान मिले। इसके अलावा दीवार में भी खून के निशान मिले। पुलिस ने राजू को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या की बात स्वीकार कर लिया। पूछताछ में उसने चरित्र संदेह को लेकर उपजे विवाद को हत्या का कारण बताया। मामले में पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बहिंगा को बरामद कर लिया। मामले में वैधानिक कार्रवाई उपरांत जेल दाखिल करा दिया है।

ढेलवाडीह-कटघोरा बाईपास मार्ग पर कोयला लोड ट्रेलर पलटा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ढेलवाडीह-कटघोरा बाईपास मार्ग पर कोयला लोड ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे वाहन में लोड कोयला सड़क पर बिखर गया। कोयला ले जाने लोगों में होड़ मची रही। सुबह तक भारी मात्रा में कोयला लोग ले जा चुके थे। मामले की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। बताया जा रहा है कि बाइपास मार्ग के अंधे मोड़ के पास यह हादसा हुआ। मार्ग पर ट्रेलर क्रमांक सीजी 07 सीपी 4959 के चालक शैलेन्द्र सिंह ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। जिससे वाहन पलट गई। सुबह जैसे ही ग्रामीणों को इसकी भनक लगी आसपास के ग्रामीणों द्वारा कुछ घंटे में ही कोयला ले जाना शुरू कर दिया गया। इसकी सूचना मिलने पर कटघोरा पुलिस ने मौके पर पहुंचते हुए आगे की कार्रवाई की।

मेहनत, लगन और कोसा पालन ने बदली जीवन की दिशा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कोरबा जिले के ग्राम बरपाली-तानाखार (वि.ख. पोड़ी-उपरोड़ा) के निवासी शिवकुमार बिंझवार आत्मज दादूलाल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवार से आते हैं। उनके पास केवल 1.5 एकड़ कृषि भूमि है और आजीविका के अन्य साधन भी उपलब्ध नहीं थे, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कोसा कृमिपालन को अपनी आजीविका का आधार बनाया। आज वे कोसा बीज केंद्र बरपाली के सबसे अति-उन्नत कोसा कृमिपालकों में शामिल हैं। पिछले पंद्रह वर्षों से वे सपरिवार कोसा पालन का कार्य कर रहे हैं। मेहनत, तकनीकी जानकारी और रेशम विभाग से मिले मार्गदर्शन ने उनके कार्य को निखारा और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया। वर्ष 2025-26 में उनके द्वारा प्रथम फसल से 20,151 नग डाबा कोसाफल का उत्पादन किया गया, जिसका समर्थन मूल्य 49,721 रुपये प्राप्त हुआ। तृतीय फसल से 26,300 नग डाबा कोसाफल उत्पन्न हुए और इसका समर्थन मूल्य 71,760 रुपये रहा। इस प्रकार उन्हें डीबीटी के माध्यम से कुल 01 लाख 21 हजार 481 रुपये की राशि प्राप्त हुई, जिसने उनके परिवार को स्थायी आर्थिक संबल प्रदान किया। शिवकुमार ने अपनी सीमित भूमि और कम संसाधनों के बावजूद कोसा पालन को अपना प्रमुख व्यवसाय बना लिया। इस कार्य से प्राप्त आय से उन्होंने स्वयं के लिए दोपहिया वाहन खरीदा और अपने दोनों पुत्रों रोहित, जो कक्षा 12वीं में अध्ययनरत हैं, तथा राजेश, जो कक्षा 8वीं में पढ़ते हैं कि पढ़ाई के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गुणवत्ता और प्रगति लाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

अविवादित नामांतरण, नक्शा–बटांकन एवं अविवादित बंटवारा प्रकरणों को एक माह में निराकृत करने के निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर कुणाल दुदावत की अध्यक्षता में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने तहसीलवार समय-सीमा में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी राजस्व अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के निराकरण में तीव्र गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ निराकृत किया जाए। अभिलेख-दुरस्ती के कार्यों को मिशन मोड में लेकर तत्परता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। जिन प्रकरणों की समय-सीमा निर्धारित है, उनका निराकरण नियत अवधि के भीतर सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने सीमांकन के प्रकरणों को बारिश से पूर्व मिशन मोड में पूरा करने तथा मसाहती ग्रामों का सर्वे कर प्रारंभिक प्रकाशन कर भुईंया पोर्टल में अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व कोर्ट एवं ई-कोर्ट के प्रकरणों के अद्यतन में पारदर्शिता बनाए रखने के भी निर्देश दिए।

राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने अविवादित एवं विवादित नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, नक्शा-बटांकन, अभिलेख-शुद्धता, ई-कोर्ट प्रकरणों सहित सभी प्रकार के राजस्व

प्रकरणों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। अविवादित एवं विवादित नामांतरण तथा खाता विभाजन के लंबित आवेदनों पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी तहसीलदार आगामी 30 दिनों में विशेष प्रयास कर प्रगति सुनिश्चित करें।

कलेक्टर श्री दुदावत ने नक्शा-बटांकन एवं अविवादित बंटवारा संबंधित प्रकरणों में भी पर्याप्त प्रगति लाने को कहा। उन्होंने मसाहती ग्रामों के सर्वे एवं नक्शा प्रकाशन की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि प्रकाशन के कार्य में तेजी लाई जाए। सीमांकन के प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उन्होंने व्यपवर्तन, त्रुटि-सुधार, डिजिटल सिग्नेचर, किसान किताब, आधार सीडिंग, स्वामित्व योजना तथा वन अधिकार पट्टा वितरण जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सात दिवस के भीतर डिजिटल सिग्नेचर, आधार प्रविष्टि एवं किसान किताब प्रविष्टि में शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के तहत लंबित ग्रामों का ड्रोन सर्वे कर मार्च माह तक अंतिम प्रकाशन कराते हुए उसे भुईंया पोर्टल में अपलोड करने निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री दुदावत ने वन अधिकार पत्र/फौती नामांतरण हेतु सभी पटवारी सर्किलों में लक्ष्य निर्धारित करते हुए 30 अप्रैल तक फौती नामांतरण के प्रकरणों का लक्ष्य अनुसार निराकरण करने को कहा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों के शीघ्र एवं पारदर्शी निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में ओएसडी भारत किरण, अपर कलेक्टर देवेंद्र पटेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कटघोरा तन्मय खन्ना, प्रशिक्षु आईएएस श्री क्षितिज गुरभेले, सभी एसडीएम, भू-अभिलेख प्रभारी अधिकारी, अधीक्षक भू-अभिलेख, सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित थे।

राशिफल

मेष राशि :आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। हार्डवेयर का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। आज आपका स्वास्थय फिट रहने वाला है। आज विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में रूचि लेंगे। आज दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी। ट्रान्सफर में आ रही दिक्कतें आज ख़त्म होंगी, ट्रान्सफर आपकी मनपसंद जगह पर हो सकता है।

वृष राशि :आज का दिन आपको कारोबार में लाभ दिलाने वाला है। आज आपको किसी ख़ास रिश्तेदार से मिलने का मौका मिलेगा। सी - टीईटी की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की जरुरत है, सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। ग्रोसरी का कारोबार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा।

मिथुन राशि :आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको किसी प्रकार का शुभ समाचार मिलेगा, जिससे घर में उत्साह का माहौल रहेगा। आज ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी, आपका मन प्रसन्न रहेगा। मोबाइल एक्सेसरीज का कारोबार कर रहे लोगों को अच्छा लाभ होने वाला है।

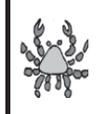

कर्क राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको बाहर के मसालेदार खाने से परहेज करने की जरुरत है, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में अपना पूरा फोकस काम पर रखें। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन शानदार रहेगा।

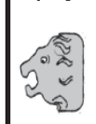

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। रेस्टोरेंट का कारोबार शुरू करने का विचार बना रहे लोगों को किसी बड़े की सलाह लेनी चाहिए। आज विद्यार्थी वर्ग किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे। आज ऑफिस के किसी टारगेट को अचीव करेंगे। आज आप फ्रेंड्स के साथ पिकनिक स्पॉट पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं।

कन्या राशि :आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। शिक्षकों के ट्रांसफर में आ रही परेशानी आज खत्म होगी। स्वास्थय के लिहाज से आप चुस्त दुरुस्त बने रहेंगे। साइबर कैफ़े का कारोबार कर रहे लोगों को आज अच्छा लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी मेहनत जारी रखने की आवश्यकता है।

तुला राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बैंक से लोन लेने में आ रही परेशानी आज खत्म होगी। राजनीति से जुड़े लोगों को आज सम्मानित किया जाएगा। कॉस्मेटिक का कारोबार कर रहे लोगों का आज ज्यादा से ज्यादा प्रोडक्ट सेल होगा। आज अपने जीवनसाथी की पसंद का पकवान बनायेंगी, उन्हें बेहद खुशी होगी। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने वाला है। आज परिवार के साथ कहीं घूमने जायेंगे।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन नए व्यापार को शुरू करने के लिए बढ़िया रहेगा। आज ऑफिस से जरुरी कॉल आ सकती है, आज आपको मीटिंग अटेंड करनी पड़ सकती है। दांपत्य रिश्ते में हो रही अनबन आज खत्म होगी, जीवनसाथी के साथ दिन मनोरंजन से भरा रहेगा। सरकारी विभाग से जुड़े लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। आज अपने घर के बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान दें और समय पर दवाइयां दें।

धनु राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आप वाहन खरीदने का विचार परिवार के साथ कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने के लिए आपको और मेहनत की अवश्यकता है, सफलता जरुर मिलेगी। आज आपका स्वास्थ्य रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। नेगेटिव थिंकिंग रखने वाले लोगों से आज आपको दूरी बना कर रखनी चाहिए।

मकर राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको कार्य क्षेत्र में अपने विरोधियों से सतर्क रहने की जरुरत है। लवमेट को आज काफी देर तक फ़ोन पर बात करने का अवसर मिलेगा। आज वकील वर्ग को किसी केस में जीत हासिल होगी। किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को अपनी पढ़ाई को गति देने की अवश्यकता है।

कुंभ राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको स्वास्थ्य संबंधी समस्या से काफी राहत मिलेगी। जीवनसाथी के साथ कई दिनों से चल रही गलत फहमियां आज दूर होंगी, जिससे आपका रिश्ता और मजबूत बनेगा। शिक्षकों के लिए आज का दिन उर्जा से भरपूर रहने वाला है। आज आपके पिता किसी जरुरी बात पर आपकी सलाह लेंगे। विद्यार्थियों को आज किसी टॉपिक को समझने में परेशानी आ सकती है।

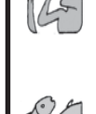

मीन राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द की वृद्धि होगी। आज किसी पर अधिक भरोसा करने से पहले उसे अच्छे से जान लें। विद्यार्थियों को अपने करियर का चुनाव करने का सही समय है। ऑनलाइन बिजनेस कर रहे लोगों को आज बड़ा आर्डर मिलने के योग है। इस राशि के लोगों को आज वाहन चलाते समय सावधानी बरतने की अवश्यकता है। आज बच्चों को किसी कार्य में अपनी माँ का सहयोग प्राप्त होगा। लवमेट आज डिनर पर जाने का मौका पाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में महिलाओं के लिए प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन

बिलासपुर(छ.ग.गौरव)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर स्थित न्यू ऑडिटोरियम में महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला रेलकर्मी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथि वक्ता श्री उज्वल पाटनी ने अपने प्रेरणादायी एवं मोटिवेशनल संबोधन से महिलाओं को आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और नेतृत्व क्षमता के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 27 महिला रेलकर्मियों को मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, विशिष्ट अतिथि श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में 300 से अधिक महिला रेलकर्मियों की उपस्थिती रही।

महिला दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस वर्ष महिला दिवस की थीम **Rights, Justice, Action - For All Women and Girl** है, जो महिलाओं और बालिकाओं के अधिकार, न्याय तथा उनके सशक्तिकरण के लिए ठोस कदम उठाने का आह्वान करती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महिला को शिक्षा, अवसर, सम्मानजनक कार्य वातावरण तथा सुरक्षित माहौल प्राप्त होना चाहिए। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर लगभग 42 प्रतिशत कार्यबल में महिलाएँ शामिल हैं, जबकि नेतृत्व के उच्च पदों पर उनकी भागीदारी अभी भी लगभग 31 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि भारत में भी पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और वर्ष 2017-18 में लगभग 23 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में लगभग 42 प्रतिशत तक पहुँच गई है, जो सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। महाप्रबंधक ने कहा कि भारतीय रेल जैसे विशाल सार्वजनिक संगठन में भी महिलाओं की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। आज महिलाएँ लोको पायलट, गार्ड, इंजीनियर, टीटीई, ट्रैक मेंटेनर, आरपीएफ तथा स्टेशन प्रबंधन जैसे विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं और भारतीय रेल की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को भी अपनी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों पर गर्व है, जो विभिन्न क्षेत्रों में समर्पण और दक्षता के साथ कार्य कर रही हैं। साथ ही खेल के क्षेत्र में भी महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रेलवे का नाम रोशन किया है। महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शिविर, कैंसर जागरूकता कार्यक्रम तथा बालिकाओं के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही महिला यात्रियों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए स्टेशनों पर 'अक्षिता' सेफ बबल तथा ट्रेनों में यात्रा कर रही महिलाओं की सहायता के लिए 'मेरी सहेली' अभियान जैसे महत्वपूर्ण प्रयास भी किए जा रहे हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और समान अवसर वाला वातावरण विकसित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। बेहतर सुविधाएँ, मातृत्व से संबंधित प्रावधान, बच्चों की देखभाल के लिए सहयोग, प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र और नेतृत्व के अवसर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

उन्होंने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सभी महिला अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पण, परिश्रम और प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए उन्हें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष, सेक्रो की सदस्याएं, श्री आदित्य कुमार, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी, डॉ. श्रीमती दर्शनीता बी. अहलूवालिया, मुख्य कार्मिक अधिकारी (आईआर) सहित मुख्यालय एवं बिलासपुर मण्डल अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी उपस्थित थे।

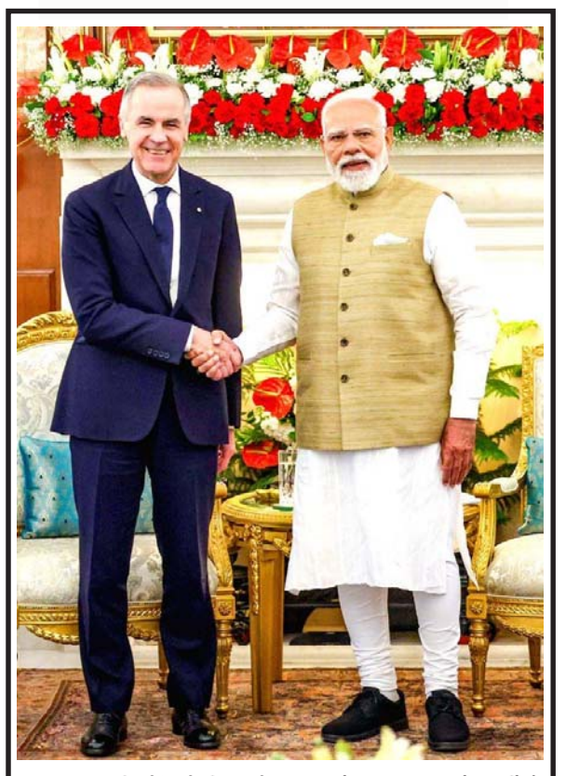

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में एक बैठक के दौरान।

आज इस तस्वीर में, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल और दूसरे लोग केरल के इडुक्की ज़िले के कुट्टिकनम में मैरियन कॉलेज में स्टूडेंट्स के साथ बातचीत करते हुए।

पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने के फ़ैसले के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन के दौरान जदयू के कार्यकर्ता दीवार पर काली स्याही पोतते हुए। इस कदम को राज्य की राजनीति में उनके ढाई दशक से ज़्यादा लंबे समय के अंत के तौर पर देखा जा रहा है।

जम्मू और कश्मीर के बडगाम में कश्मीर घाटी में लोगों की आवाजाही पर लगी पाबंदियों के बीच खामेनेई की हत्या के विरोध में लोग ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की तस्वीरें को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

नेपाल के आम चुनावों के नतीजों की घोषणा से पहले, काठमांडू, नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के समर्थक चुनाव आयोग के बाहर पार्टी के चुनाव निशान घंटी बजाते हुए।

बिहार के डिप्टी चीफ मिनिस्टर सम्राट चौधरी पटना में बीजेपी नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का नया गवर्नर बनाए जाने पर बधाई देते हुए।

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाला पाकिस्तानी व्यक्ति दोषी करार, ईरान के कहने पर बनाया था प्लान

वाशिंगटन ,11 मार्च (एजेंसी)। न्यूयॉर्क की अदालत ने एक पाकिस्तानी नागरिक को डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अमेरिकी नेताओं की हत्या की साजिश रचने का दोषी पाया है। वह ईरानी सेना के इशारे पर काम कर रहा था। उसने कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए यह योजना बनाई थी। न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रचने का दोषी पाया गया है। इस व्यक्ति के संबंध ईरान से हैं। उसने यह साजिश ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची थी। सुलेमानी की मौत साल 2020 में एक अमेरिकी हमले में हुई थी।

मामले में 48 साल के आसिफ रजा मर्चेंट को शुक्रवार को ब्रुकलिन की अदालत में दोषी ठहराया गया। एक फेडरल जूरी ने उसे भाड़े पर हत्या करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश का अपराधी माना। मर्चेंट को अब उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने बताया कि मर्चेंट खास तौर पर ट्रंप को मारने के इरादे से अमेरिका आया था।आईआरजीसी से मिला दोषी का लिंकअमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का एक प्रशिक्षित एजेंट था। उसने अदालत में माना कि साल 2024 में आईआरजीसी ने उसे राजनीतिक हत्याओं का इंतजाम करने के लिए अमेरिका भेजा था। उसके निशाने पर ट्रंप के

अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और निक्की हेली भी हो सकते थे। मर्चेंट ने स्वीकार किया कि उसका मुख्य लक्ष्य ट्रंप ही थे।मर्चेंट अप्रैल 2024 में अमेरिका पहुंचा था। जून में वह कुछ लोगों से मिला जिन्हें वह हत्यारा समझ रहा था। असल में वे न्यूयॉर्क पुलिस के अंडरकवर अधिकारी थे। जुलाई 2024 में देश छोड़ने से पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पामेला बोंडी ने कहा कि यह आदमी ट्रंप को मारने की उम्मीद में आया था, लेकिन उसका सामना अमेरिकी कानून की ताकत से हुआ।एफबीआई ने क्या कहा?

एफबीआई के अनुसार, मर्चेंट ने ईरानी शासन के कहने पर अमेरिकी नेताओं की हत्या की योजना बनाई थी। यह लोकतंत्र पर हमला करने की एक नाकाम कोशिश थी। मर्चेंट ने 2022 के अंत में आईआरजीसी के लिए काम करना शुरू किया था। वहां उसने जासूसी और निगरानी की ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद उसे अमेरिका में नए लोगों को भर्ती करने के लिए भेजा गया।

मर्चेंट ने गवाही दी कि उसे सुलेमानी की मौत का बदला लेने का काम सौंपा गया था। इसके लिए उसने न्यूयॉर्क में एक परिचित से संपर्क किया। उस व्यक्ति ने पुलिस को इसकी जानकारी दे दी और वह गवाह बन गया। जून 2024 में मर्चेंट ने उस गवाह को बताया कि उसके पास हत्या का एक मौका है। उसने हाथ से बंदूक का इशारा करके अपनी योजना समझाई।

इन कामों के लिए दिए थे पैसेमर्चेंट ने अंडरकवर अधिकारियों से तीन काम करने को कहा, जिसमें दस्तावेज चोरी करना, रैलियों में विरोध प्रदर्शन करना और एक बड़े नेता को मारना शामिल था। उसने रैलियों की सुरक्षा के बारे में अपने ईरानी हैंडलर को रिपोर्ट भी भेजी थी। उसने हत्या के लिए 5,000 डॉलर का एडवांस पेमेंट भी किया। 21 जून को पैसे देते समय उसने अधिकारियों से कहा कि अब वे इस काम के लिए साथ हैं। इसके बाद उसने अमेरिका से भागने की तैयारी की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। मर्चेंट ने माना कि वह जानता था कि आईआरजीसी एक आतंकी संगठन है। वह अपने हैंडलर से मिलने कई बार ईरान भी गया था।

ईरान ने कतर में फोड़ी अमेरिका की सबसे बड़ी 'आंख', महायुद्ध के बीच तबाह हुआ 1.1 अरब डॉलर का सीक्रेट रडार

ईरान ,11 मार्च । अमेरिका और इजरायल के साथ सीधे महायुद्ध में उलझे ईरान ने अब एक ऐसा खौफनाक कदम उठा लिया है, जिससे पेंटागन से लेकर व्हाइट हाउस तक हड़कंप मच गया है। हिंद महासागर में अमेरिका द्वारा एक ईरानी पोत को बेरहमी से डुबाने और 80 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत के बाद ईरान बदले की आग में बुरी तरह सुलग उठा। इसी बौखलाहट और बदले की भावना में ईरान ने कतर में मौजूद अमेरिका की सबसे अहम 'आंख' को ही फोड़ डाला है, जिससे पूरे मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सेना लगभग अंधी हो गई है।यह कोई मामूली हमला नहीं था, बल्कि ईरान ने सीधे तौर पर 1.1 अरब डॉलर (करीब 9000 करोड़ रुपये) की लागत वाले उस महाशक्तिशाली अमेरिकी रडार सिस्टम को तबाह कर दिया है, जो उसकी मिसाइल रक्षा प्रणाली की रीढ़ माना जाता था। प्लैनेट लैब्स की ताजा खुफिया सैटेलाइट तस्वीरों ने इस खौफनाक तबाही की गवाही दे दी है। तस्वीरों में कतर स्थित अमेरिकी स्पेस फोर्स के ह/स्नक्क-132 (ब्लॉक 5) बैलिस्टिक मिसाइल अर्ली वार्निंग रडार सिस्टम के पास भीषण आग और तबाही का मंजर साफ देखा जा सकता है, जहां आग बुझाने का काम बदहवासी में चल रहा है।

आखिर अभेद्य माने जाने वाले इस अमेरिकी सुरक्षा चक्र में ईरान ने सेंध कैसे लगाई, यह सवाल हर किसी के मन में है। ईरान की कुख्यात इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्रष्ट) ने इस अचूक हमले की जिम्मेदारी ली है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान ने मिसाइलों और अपने सस्ते लेकिन बेहद खतरनाक 'शाहेद' ड्रोन के एक बड़े झुंड का एक साथ इस्तेमाल करके दुनिया के सबसे ताकतवर अमेरिकी एयर डिफेंस को पूरी तरह चकमा दे दिया। इस आत्मघाती ड्रोन ने करोड़ों के रडार सिस्टम के परखच्चे उड़ा दिए।रेथियॉन कंपनी द्वारा बनाए गए इस रडार की तबाही अमेरिका के लिए किसी खौफनाक सपने से कम नहीं है। 5000 किलोमीटर तक की दूरी से किसी भी घातक बैलिस्टिक मिसाइल को सूंघ लेने वाला यह सिस्टम ईरान, इराक, सीरिया, तुर्किये से लेकर हिंद महासागर तक पल-पल की निगरानी करता था। पेंटागन के पूर्व सलाहकार और सैन्य अधिकारी कर्नल डगलस मैकग्रेगर ने सोशल मीडिया पर साफ चेतावनी दी है कि इस हमले के बाद अमेरिका की मिसाइल पकड़ने वाली 'आंखें' हमेशा के लिए फूट चुकी हैं। भू-राजनीति विशेषज्ञों के मुताबिक, इस रडार के नष्ट होने का मतलब है कि अब मिडिल ईस्ट में अमेरिकी ठिकानों पर कभी भी बड़ा और जानलेवा मिसाइल हमला हो सकता है, और उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिलेगा।रेथियॉन कंपनी द्वारा बनाए गए इस रडार की तबाही अमेरिका के लिए किसी खौफनाक सपने से कम नहीं है। 5000 किलोमीटर तक की दूरी से किसी भी घातक बैलिस्टिक मिसाइल को सूंघ लेने वाला यह सिस्टम ईरान, इराक, सीरिया, तुर्किये से लेकर हिंद महासागर तक पल-पल की निगरानी करता था। पेंटागन के पूर्व चेतावनी दी है

ईरान पर हमलों के बीच अमेरिका ने इक्वाडोर में की सैन्य कार्रवाई, नार्को-आतंकवाद के खात्मे का ऑपरेशन सफल

ईरान ,11 मार्च ।फ्लोरिडा अमेरिका और इक्वाडोर की संयुक्त सेना ने इक्वाडोर में नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ सटीक सैन्य अभियान चलाया। दोनों देशों ने आतंक और ड्रग तस्करी नेटवर्क को खत्म करने का प्रयास किया।जनरल डोनोवन ने कहा 'हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर नार्को-आतंकवाद के खिलाफ आगे बढ़ रहे हैं। मैं संयुक्त सेनाओं और इक्वाडोरियन सशस्त्र बलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं। यह सहयोग और निर्णायक कार्रवाई पश्चिमी गोलार्ध के लिए रणनीतिक सफलता है, जो नार्को-आतंकवाद को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'राष्ट्रपति और सुरक्षा बलों की सराहनासाउथर्न कमांड के वरिष्ठ प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ और देश की सुरक्षा बलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने नार्को-आतंकवादी आपूर्ति केंद्रों को बाधित किया और उनके लॉजिस्टिक नेटवर्क को कमजोर किया। पार्नेल ने आगे कहा इक्वाडोर के अनुरोध पर यह अभियान चलाया गया ताकि हमारे साझा उद्देश्य (नार्को-आतंकवादी नेटवर्क को समाप्त करना) को आगे बढ़ाया जा सके। यह कार्रवाई यह संदेश देती है कि नार्को-आतंकवादी हमारे क्षेत्र में पनाह नहीं पाएंगे। अमेरिका उन देशों का समर्थन करता रहेगा, जो नार्को-आतंकवाद के खिलाफ खड़े हैं। साथ मिलकर हम तस्करी और भ्रष्टाचार नेटवर्क को ध्वस्त करेंगे, संगठनों को जवाबदेह ठहराएंगे और ताकत के जरिए शांति बहाल करेंगे। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने इक्वाडोर के सहयोगियों को धन्यवाद दिया और कहा कि अमेरिकी साउथर्न कमांड से और अपडेट आने की उम्मीद है।हताहतों की स्थितिफॉक्स समाचार की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल ऑपरेशन में किसी के हताहत होने की जानकारी स्पष्ट नहीं है। यह स्ट्राइक पिछले सप्ताह अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियानों का हिस्सा है, जिसमें संदेहित नार्को-आतंकवादियों को निशाना बनाया गया।

ईरान के स्कूल में 150 बच्चियों का कत्लेआम! क्या अमेरिका से अनजाने में हो गया बड़ा गुनाह? सामने आया खौफनाक सच

वाशिंगटन ,11 मार्च । ईरान पर अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी के महाविनाशकारी हमले के बाद एक ऐसा खौफनाक सच दुनिया के सामने आया है, जिसने इंसानियत की रूह कंपा दी है। इस भीषण बमबारी में दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में स्थित लड़कियों के एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जहां 150 मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत की खबर ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचा दिया है। खून से सने इस खौफनाक मंजर के बाद हर कोई यह सवाल पूछ रहा है कि क्या महायुद्ध की आड़ में मासूमों का कत्लेआम जायज है? अगर यह एक भयानक गलती थी, तो इसका असली गुनहगार कौन है? अब इस पूरे मामले में एक ऐसी चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है, जिसने सीधे तौर पर अमेरिका को ही कटघरे में खड़ा कर दिया है।न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक बेहद सनसनीखेज रिपोर्ट के मुताबिक, खुद अमेरिकी सैन्य जांचकर्ताओं को इस बात का गहरा शक है कि 150 बच्चियों की मौत के पीछे अमेरिकी सेना का ही हाथ हो सकता है। हालांकि, जांच अभी अपने शुरुआती चरण में है और कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकला है, लेकिन दो शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर इस बात के स्पष्ट संकेत दिए हैं। रॉयटर्स की इस रिपोर्ट में अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि स्कूल पर तबाही मचाने वाला हथियार कौन सा था और क्या अमेरिका ने जानबूझकर इस खौफनाक घटना को अंजाम दिया या यह किसी मिसाइल की दिशा भटकने का नतीजा था। अधिकारियों का यह भी मानना है कि जांच आगे बढ़ने पर शायद नई जानकारी सामने आए और किसी तीसरे पक्ष की साजिश का पर्दाफाश हो सके।

इस भीषण नरसंहार को लेकर जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के लिए ईरान के राजदूत अली बहरीन ने दावा किया है कि इस दर्दनाक हमले में 150 छात्राएं मारी गई हैं। पूरी दुनिया से उठते सवालों और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर स्वीकार किया है कि अमेरिकी सेना इस दिल दहला देने वाली घटना की गहन जांच कर रही है। उन्होंने बचाव करते हुए स्पष्ट किया कि अमेरिका कभी भी जानबूझकर नागरिक ठिकानों को अपना निशाना नहीं बनाता। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी साफ तौर पर कहा है कि यदि यह हमला उनकी तरफ से हुआ है, तो युद्ध विभाग इसकी पूरी जिम्मेदारी के साथ जांच करेगा।

इस संवेदनशील मुद्दे पर व्हाइट हाउस भी बेहद सतर्क नजर आ रहा है। प्रेस सचिव कैरोलीन लेविट ने सीधे तौर पर इस जांच पर कोई टिप्पणी तो नहीं की, लेकिन दुनिया को यह जरूर याद दिलाया कि नागरिकों और बच्चों को निशाना बनाने का क्रूर इतिहास ईरान की सरकार का रहा है, अमेरिका का नहीं। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिमोथी हॉकिन्स ने भी जांच चलने का हवाला देते हुए फिलहाल इस मामले पर कुछ भी बोलने से साफ इनकार कर दिया है,

खामेनेई की मौत पर भारत ने जताया दुख, ईरान के राजदूत से मिले विदेश सचिव विक्रम मिस्री

इजरायल ,11 मार्च । इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत के बाद पूरी दुनिया में सियासी हलचल तेज हो गई है। देश के भीतर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर इस अंतरराष्ट्रीय युद्ध को लेकर चुप्पी साधने के आरोप लगा रहा था। इसी भारी राजनीतिक घमासान के बीच भारत सरकार ने एक बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया है। भारत ने ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता को गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दोनों देशों के मजबूत और ऐतिहासिक संबंधों को बनाए रखने का कड़ा संदेश दिया है।

ईरानी दूतावास पहुंचे विदेश सचिव, शोक पुस्तिका में लिखा संदेशगुरुवार को भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास पहुंचे। उन्होंने वहां जाकर ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आधिकारिक शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त रूप से ईरान पर एक बेहद भयानक और बड़े पैमाने पर हमला किया था, जिसमें आयतुल्लाह अली खामेनेई की जान चली गई थी। इस बड़ी घटना के बाद से ईरान में 40 दिनों का राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है और वहां भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। इस बेहद संवेदनशील और तनावपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहौल में भारत ने अपना संतुलित कूटनीतिक रुख अपनाते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है।

तेल और व्यापार के मामले में अमेरिका के दबाव में फंसी सरकार ?इस अंतरराष्ट्रीय संकट के बीच देश की घरेलू राजनीति भी पूरी तरह से गरमा गई है। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी को देश के लिए एक बेहद खतरनाक संकेत बताया है। उनका गंभीर आरोप है कि अमेरिका पिछले कई महीनों से इस विनाशकारी युद्ध की तैयारी कर रहा था और उसे अच्छी तरह पता था कि इससे वैश्विक तेल आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होगी। इसके बावजूद, अमेरिका ने व्यापार समझौते की आड़ में भारत को रूस से सस्ता तेल खरीदने से मना लिया। सिसोदिया ने सीधा सवाल दागा है कि क्या अमेरिका ने हमारे प्रधानमंत्री को गुमराह किया है, या फिर खुद प्रधानमंत्री ने अमेरिका को खुश करने के चक्कर में भारत के आर्थिक और राष्ट्रीय हितों के साथ इतना बड़ा समझौता कर लिया है।

मेहमान जहाज डुबाने पर खड़गे ने उठाए कड़े सवाल

दूसरी तरफ, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भी सरकार की विदेश नीति पर सीधा और तीखा हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने हिंद महासागर में अमेरिकी हमले का शिकार हुए ईरानी जहाज के डूबने की घटना पर सरकार की खामोशी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खड़गे ने बताया कि अमेरिकी टारपीडो की चपेट में आकर डूबने वाला ईरानी नौसेना का जहाज 'ईरिस डेना' बिना किसी सैन्य साजो-सामान के था। उन्होंने कहा कि यह जहाज कोई घुसपैठिया नहीं, बल्कि भारत का एक आमंत्रित अतिथि था, जो विशाखापत्तनम में 15 से 26 फरवरी तक आयोजित हुए 'अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू 2026' में हिस्सा लेकर शांतिपूर्वक वापस लौट रहा था। विपक्ष का आरोप है कि अपने ही मेहमान जहाज पर हुए इस हमले पर चुप्पी साधकर सरकार देश के रणनीतिक और राष्ट्रीय सम्मान की घोर उपेक्षा कर रही है।

पाकिस्तान में बूंद-बूंद पेट्रोल को तरसेंगे लोग, क्या इस वीकेंड थम जाएगी पूरे देश की रफ्तार?

इस्लामाबाद ,11 मार्च । खाड़ी देशों में लगातार जारी भयंकर तनाव और अफगानिस्तान के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच पाकिस्तान से एक बेहद खौफनाक खबर सामने आ रही है। अगर आप सोच रहे हैं कि पाकिस्तान की मुश्किलें कम हो गई हैं, तो जरा ठहरिए! पड़ोसी मुल्क में अब पेट्रोल और डीजल का भयानक अकाल पड़ने वाला है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि अगले कुछ ही घंटों में पूरे देश के पेट्रोल पंपों पर ताले लटक सकते हैं और पाकिस्तान की रफ्तार पूरी तरह से थम सकती है।

सरकार के दावों की उड़ी धज्जियां, 3 दिन से नहीं मिली एक बूंदपाकिस्तान सरकार भले ही सीना ठोककर यह दावा कर रही हो कि देश के पास अगले 20 से 25 दिनों तक का फ्यूल रिजर्व मौजूद है, लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। पाकिस्तान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने गुरुवार को एक सख्त चेतावनी जारी करते हुए सरकार के इन खोखले दावों की पोल खोल दी है। एसोसिएशन का साफ कहना है कि उन्हें पिछले तीन दिनों से पेट्रोल की कोई सप्लाई ही नहीं दी गई है। तेल विपणन कंपनियां उन्हें लगातार परेशान कर रही हैं और उनकी तय डिमांड में सीधे 50 फीसदी तक की भारी कटौती कर दी गई है। डीलर्स का कहना है कि अगर हालात तुरंत नहीं सुधरे, तो इस वीकेंड तक पूरे पाकिस्तान में तेल लगभग खत्म हो जाएगा।आसमान छू रहे दाम, कंपनियों ने शुरू की भयानक जमाखोरीतेल की इस अभूतपूर्व किल्लत ने महंगाई से जूझ रही

सम्पादकीय...

मुफ्त जमीं, महंगा इलाज

कभी चिकित्सा के पेशे को भगवान के दूसरे रूप में मानवता की सेवा का पर्याय माना जाता था। लेकिन आज मुनाफे की चांदी बटोरने की होड़ वाले अग्रणी पेशों में चिकित्सा व्यवसाय की गिनती होने लगी है। धन बटोरने की अंधी हवस में मानवता के तार-तार होने की इस व्यवसाय से जुड़ी खबरें आये दिन सुर्खियां बटोरती रहती हैं। यूं तो आज पैसे की अंतहीन भूख उन तमाम पेशों में नजर आती है जो सेवा-परोपकार व मनुष्यता के कल्याण में अग्रदूत माने जाते रहे हैं। लेकिन कुछ पेशे ऐसे हैं जो इंसानियत के रखवाले माने जाते रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को पूछना पड़ा कि दिल्ली में जिन 51 अस्पतालों को रियायती जमीन दी गई थी और उन्होंने कुछ प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करने का वायदा किया था, वे ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीतिगत फैसला लिया था, जिसके अंतर्गत दिल्ली में गरीब लोगों के लिये निजी अस्पतालों में एक सीमा तक मुफ्त इलाज की सुविधा मुहैया कराई गई थी। कहने की जरूरत नहीं है कि अस्पताल निजी हों या सरकारी, वे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिये ही बने होते हैं। इसी के मद्देनजर कई निजी अस्पतालों के निर्माण हेतु रियायती दर पर सरकार भूखंड उपलब्ध कराती है। जिसके चलते निजी अस्पतालों के कुछ दायित्व भी होते हैं। जिसमें निर्धन मरीजों के उपचार हेतु नि:शुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना होता है। यही वजह थी कि साल 2018 में भी, देश की शीर्ष अदालत ने रियायती जमीन हासिल करने वाले अस्पतालों को नसीहत दी थी कि गरीब लोगों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही इस मामले में लापरवाही बरताने वालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने को कहा था। विडंबना यह है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा चेताने के बावजूद अस्पताल प्रबंधन ने मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। वहीं दूसरी ओर इस बाबत निगरानी करने वाले सरकारी विभाग भी आंख मूंद कर बैठे रहते हैं। इस गंभीर मुद्दे की बार-बार अनदेखी किए जाने से खिन्न देश की शीर्ष अदालत ने हाल ही में दिल्ली में रियायती दामों में प्लॉट लेने वाले 51 हॉस्पिटलों को नोटिस भेजकर अपना दायित्व न निभाने वालों को इसकी वजह बताने को कहा गया है। कोर्ट ने चेताया है कि अस्पताल के मालिकों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए! यह विडंबना है कि केंद्र व दिल्ली सरकार इस गंभीर मामले में उदासीन नजर आती हैं। विसंगति देखिए कि जिस दायित्व का निर्वहन सरकारों को करना चाहिए था, उस पर देश के सुप्रीम कोर्ट को आदेश देने पड़ रहे हैं। जो हमारे तंत्र की काहिली को ही उजागर करता है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार के नीतिगत फैसले में इस बात का प्रावधान था कि रियायती कीमत पर जमीन पाने वाले अस्पतालों को आंतरिक रोगी विभाग में न्यूनतम दस प्रतिशत और ओपीडी में पच्चीस प्रतिशत गरीबों का इलाज मुफ्त करना होगा। जिससे जुड़ी जवाबदेही पूरी करने को शीर्ष अदालत ने 2018 में भी चेताया था। लेकिन इसके बावजूद जमीनी हकीकत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। यही वजह है कि पिछले दिनों शीर्ष अदालत ने इन अस्पतालों को नोटिस भिजवाए हैं। साथ ही अवज्ञा करने पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि इन निजी अस्पतालों में गरीबों को मुफ्त इलाज मिल सके, पहली जवाबदेही सरकार की बनती है। यदि सरकार की नियामक एजेंसियां सख्ती दिखाती तो क्या मजाल थी कि निजी अस्पताल अपने वायदे से मुकर जाते। बाकायदा, ऐसे मामलों में उदासीनता दिखाने वाले सरकारी अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए और लापरवाही दिखाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी होनी चाहिए। निस्संदेह, इन हालातों के चलते ही आम जनता का तंत्र से भरोसा उठता है। यदि सरकारी तंत्र निगरानी व जवाबदेही तय करने में चुस्ती दिखाता तो कई गरीब मरीजों का जीवन बचाया जा सकता था। आज जीवन रक्षा से जुड़ी चिकित्सा सुविधाएं इतनी महंगी हो चुकी हैं कि हर साल लाखों लोग खर्चीले इलाज कराने के चलते गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं।

साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे

अजीत द्विवेदी

उत्तर प्रदेश में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानमंद के साथ जो हो रहा है वह भारतीय समाज के अंदर पल रही एक बड़ी बीमारी का लक्षण है। वह बीमारी धार्मिक और सामाजिक विभाजन की है, जिसे राजनीतिक लाभ के लिए बढ़ाया जा रहा है। यह पहली बार हो रहा है कि देश और समाज इस कदर निभाजित हुआ है। पहले समाज के स्तर पर विभाजन चुनावों के समय दिखते थे। हालांकि वह भी बहुत सीमित होता था। लेकिन आज स्थायी रूप से एक विभाजन दिखता है और दुर्भाग्य की बात यह है कि नेताओं के साथ साथ धर्मगुरु, आध्यामिक कार्यों में लगे लोग और साधारण से लेकर शंकराचार्य के स्तर तक साधु संत भी राजनीतिक लाइन पर बंटे हुए हैं।

लोग साधु, योगी और कथावाचक की जाति खोज ले रहे हैं और फिर उस आधार पर उसके समर्थन या विरोध में खड़े हो जाते हैं। लेकिन यह किसी स्वाभाविक प्रक्रिया के तहत नहीं हो रहा है। केंद्र की मौजूदा सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी राजनीतिक लाभ के लिए सुनियोजित तरीके से इस विभाजन को बढ़ा रही है। शंकराचार्य का मामला और यूजीसी की नियमावली इसके दो ताजा संकेत हैं।

बहरहाल, यह दुर्भाग्य है कि एक राष्ट्र के रूप में भारत और इसके 140 करोड़ लोगों के नैतिक, धार्मिक या आध्यात्मिक उत्थान के लिए काम करने वाले साधु या संत या धर्मगुरू खोजने से नहीं मिलेंगे लेकिन नफरत फैलाते साधु संत चारों तरफ मिल जाएंगे। इतिहास में कभी भी भारत की आध्यात्मिक परंपरा ऐसी नहीं रही थी। ईसाई धर्मगुरू भड़काऊ बातें करते थे और झूठे सच्चे वादे करके धर्म परिवर्तन कराते थे या इस्लाम के प्रचारक मौलाना आदि भड़काऊ भाषणों से लोगों को उकसाते थे, जिहाद के लिए प्रेरित करते थे लेकिन हिंदू साधु संत इस तरह के काम नहीं करते थे।

यह अंतर बहुत साफ दिखता था और ऐसा इसलिए भी है क्योंकि बुनियादी रूप से ईसाई और इस्लाम दोनों राजनीतिक धर्म हैं, जो लालच या भय से फैलाए गए हैं। महात्मा गांधी ने साम्राज्यवाद को फैलाने वाली शक्तियों के तौर पर ईसाई पादरियों और चर्च को रेखांकित किया था। उन्होंने कहा था कि पहले इनके पादरी आते हैं, फिर इनके व्यापारी आते हैं और अंत में इनकी सेना आती है। इसी तरह इस्लाम तलवार के दम पर फैलता है यह आरोप अक्सर लगते रहते हैं।

लेकिन इस तरह की बातें हिंदू धर्म को लेकर नहीं कही जाती हैं तो इसका कारण यह था कि हिंदू धर्म के शंकराचार्य हों या दूसरे साधु संत हों वे समाज सुधार के कार्यों में रहते थे या धार्मिक अनुष्ठानों और आध्यात्मिक श्रेष्ठता प्राप्त करने के उपक्रमों में रहते थे। समय के साथ साथ इसमें बड़ा बदलाव आया है। अब भारत के साधु संत खुल कर राजनीति की बातें करते हैं। पार्टियों और नेताओं का समर्थन करते हैं। पांच हजार साल की सनातन परंपरा से अलग हट कर इस या उस नेता को हिंदू धर्म के रक्षक के रूप में रेखांकित करते हैं। सामाजिक विद्वेष फैलाने वाली बातें करते हैं। जाति और धर्म को लेकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं, जैसी टिप्पणी करने से नेता भी हिचकते हैं। देश के सम्मानित माने जाने वाले साधु संत महिलाओं को लेकर ऐसी अनर्गल बातें करते हैं, जिन्हें सुन कर सिर शर्म से झुक जाता है।

आज साधु संतों का आकलन उनकी योग्यता या धार्मिक, आध्यात्मिक उपलब्धियों के आधार नहीं किया जाता है, बल्कि इस आधार पर किया जाता है कि उसके आश्रम में कितनी भीड़ जुटती है, उसके आगे पीछे कितनी गाड़ियां चलती हैं, उसके आश्रम में कौन नेता, अभिनेता या खिलाड़ी पहुंचा, उसे कैसी सुरक्षा मिली हुई है आदि आदि। अगर धर्मगुरू चार्टर्ड फ्लाइट से चलता है तो वह सर्वश्रेष्ठ मान लिया जाएगा भले उसकी बातें कितनी भी मूर्खतापूर्ण और समाज का विभाजन करने वाली क्यों न हों। यह स्थिति एक राष्ट्र और समाज के रूप में भारत को रसातल में ले जा रही है।

बहरहाल, विषयांतर हो गया लेकिन प्रयागराज वे माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्यों के साथ जो हुआ और अब जिस तरह से एक दूसरे संत के हिस्ट्रीशीटर शिष्य द्वारा उनके खिलाफ नाबालिग बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगा कर मुकदमा दर्ज कराया गया है वह इस गंभीर व्याधि का एक लक्षण है। सबको पता है कि अविमुक्तेश्वरानंद वाचाल हैं। वे शंकराचार्य स्वरूपानंद के शिष्य हैं और अपने गुरू की तर्ज पर खूब बयानबाजी भी करते हैं। उनके बयान अक्सर भाजपा और उसकी केंद्र व राज्यों की सरकारों के खिलाफ होते हैं। उन्होंने पिछले साल के कुंभ मेले में हुई भगदड़ और उसकी मौतों को लेकर तल्ख टिप्पणी की थी। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। इस आधार पर उनको भाजपा विरोधी और कांग्रेस समर्थक साधु माना जाता है।

हालांकि वे कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के खिलाफ भी बोलते रहते हैं। प्रयागराज में उनके साथ जो हुआ और उसके बाद से जो हो रहा है वह उनकी राजनीतिक सक्रियता से जुड़ा हुआ है। शुरुआत मौनी अमावस्या के दिन हुई, जब वे अपनी पालकी से शाही स्नान के लिए जा रहे थे और उनकी पालकी रोक दी गई है। प्रोटोकॉल का हवाला दिया गया। जब उनके शिष्यों ने आगे बढ़ने का उपक्रम किया तो बल प्रयोग करके सबको रोका गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी की क्षत्रप टूट गई और उनके शिष्यों को, जिनमें वेदपाठी ब्राह्मण बटुक थे, गिरा गिरा पर लातों, घूसों से पीटा गया। इसके बाद जब वे अन्न, जल त्याग कर अनशन पर बैठे तो उनको एक नोटिस भेज दिया गया कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है तो वे अपने को शंकराचार्य क्यों कह रहे हैं।

सबसे पहली बात तो यह है कि मेले का प्रोटोकॉल एक बात है लेकिन धर्मगुरुओं के स्नान की परंपरा तो धर्मगुरु ही तय करते हैं। कोई भी धार्मिक परंपरा सरकार नहीं तय करती है। वह धर्मगुरू तय करते हैं। इसी तरह किस संत का पट्टाभिषेक किस रूप में हुआ है यह भी तय करना प्रशासन का काम नहीं है। देश में अनगिनत अखाड़े, मंदिर, मठ, आश्रम आदि हैं उनमें प्रधान तय करने का अपना सिस्टम है। स्वंय योगी आदित्यनाथ को उनके गुरू योगी अवैद्यनाथ ने गोरक्षापीठ का महंत नियुक्त किया।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सरकारी कर्मचारी कब से 'कर्मयोगी' होने लगे!

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में एक नया जुमला बोला। उन्होंने एआईओ 'मानव' की बात कही। पहले भी नरेंद्र मोदी की सरकार यही काम करती रही है। ऐसा लगता है कि सरकार की पूरी टीम इसी काम में लगी रहती है कि कैसे हिंदी, अंग्रेजी और जरुरत हो तो उर्दू के शब्दों के पहले अक्षर लेकर एक शब्द बनाया जाए। कुछ दिन पहले ही विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण यानी वीबी जी राम जी कानून बना। सोचें, कितनी मेहनत लगी होगी इस कानून को जी राम जी नाम देने में। इसमें हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू के शब्द एक साथ शामिल किए गए।

उसी तर्ज पर 'मानव' का जुमला प्रधानमंत्री ने बोला है। यह एक हिंदी शब्द है, जिसके अंग्रेजी अक्षरों एमएएनएवी से बना कर कुछ मैसेज देने की कोशिश की गई। इसमें एम फॉर मोरल यानी नैतिक, ए फॉर अकाउंटेबिलिटी यानी जवाबदेही, एन फॉर नेशनल सॉवरेनिटी यानी राष्ट्रीय संप्रभता, ए फॉर एक्सेसिबल यानी सुगम और वी फॉर वैलिड यानी वैध। ऐसा लगता है कि पहले तय किया गया कि एआई का मानव बनाना है और फिर मानव की अंग्रेजी स्पेलिंग के अक्षरों के आधार पर कुछ शब्दों का चयन करके इसे ऐसे प्रस्तुत किया गया, जैसे कोई बड़ी दार्शनिक बात हो। ध्यान रहे अमेरिका के जिन टेक दिग्गजों ने 10 साल पहले एआई की कल्पना की थी और उसे मूर्त रूप दिया तो उनको कभी इस तरह के जुमले गढ़ने की जरुरत नहीं पड़ी। उन्होंने अपने विचार को धरातल पर उतारा। लेकिन भारत के पास एआई के क्षेत्र में देने के लिए नया कुछ नहीं है तो 'मानव' का जुमला दे डाला।

इस सम्मेलन में हिस्सा लेने आए गूगल के सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और मुलाकात से बाहर निकले तो मीडिया के सामने कहा कि उनकी कंपनी भारत के दो करोड़ कर्मचारियों को एआई का प्रशिक्षण देगी। यह काम दशकों से हो रहा है। अमेरिका और यूरोप के देश तकनीक बनाते हैं और उसे भारत में बेचने से पहले भारत को लोगों को उसका प्रशिक्षण देते हैं। ताकि वे उसके उपयोक्ता बन सकें। यही काम कंप्यूटर और ऑपरेटिंग सिस्टम के मामले में 40 साल पहले हो रहा था और अब एआई के मामले में हो रहा है। लेकिन यहां भी प्रधानमंत्री की टीम जुमला उछालने से बाज नहीं आई। गूगल के पेशेवर भारत सरकार के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देंगे और उस परियोजना का नाम 'कर्मयोगी' होगा। सोचें, भारत के सरकारी कर्मचारी कब से 'कर्मयोगी' होने लगे! ज्यादातर सरकारी कर्मचारियों से आम नागरिकों की शिकायत यह रहती है कि वे कामचोर होते हैं और रिश्वत लेते हैं। तो क्या अब एआई से कैसे कामचोरी करें और कैसे रिश्वत लें इसकी ट्रेनिंग दी जाएगी? यह भी सवाल है कि जब भारत विश्वगुरू है तो अमेरिका की कंपनी के लोग भारत के कर्मचारियों को क्यों ट्रेनिंग देंगे? कायदे से तो मोदीजी को भारत से लोगों को भेजना चाहिए था, जो अमेरिका और यूरोप के लोगों को ट्रेनिंग देंगे। दुनिया हमको सिखाएगी एआई चलाना और जबकि हम अपने को विश्वगुरू कहते हैं!

संसद के बजट सत्र में एक दिन राज्यसभा की कार्यवाही में कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने इस मामले में अच्छा कहा। राजीव शुक्ला ने कहा कि गुरू होने के लिए शिष्य की जरुरत होती है। लेकिन भारत के पास शिष्य कहां हैं? उन्होंने याद दिलाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ कई देश खड़े रहे लेकिन भारत के साथ एक भी देश खड़ा नहीं हुआ। यह कैसा विश्वगुरू देश है, जिसके साथ जरुरत पड़ने पर कोई देश खड़ा नहीं हो?

बहरहाल, जी राम जी, मानव, कर्मयोगी जैसे जुमलों की भारत में कमी नहीं है। प्रधानमंत्री ने अपने कार्यालय को तीर्थ बना लिया। अब पीएमओ का नाम सेवा तीर्थ है और वहां लिखा हुआ है, नागरिक देवो भव। यह मामूली बात है कि पांच किलो अनाज और पांच सौ रुपए का मासिक अनुदान पाने वाले नागरिक भी मोदीजी के भारत में देव का दर्जा रखते हैं।

(यह लेखक के अपने विचार है)

कृपया ध्यान न दें...

अशोक गौतम

डिस्क्लेमर- इस ऑडियो से किसी का कोई लेना देना नहीं है। यह मात्र समय पास के लिए है। इस ऑडियो का उद्देश्य किसी की सही भावानाओं को आहत करने का बिल्कुल नहीं है। वियोग से इस ऑडियो की आवाज किसी की आवाज से मिल जाए, अथवा कहीं पर सच होती लगे तो उसके लिए छिलकों की छाबड़ी कतई भी जिम्मेदार नहीं होगी। सज्जनो! कल एक बकवास ऑडियो हाथ लगी। अच्छी लगी सो आपके साथ शेयर कर रहा हूं। सुनने के बाद लाइक कमेंट्स जरूर कीजिएगा। 'भाई साहब! आप वही बोल रहे हैं न जिसे मैंने फोन किया है?' 'जी! मैं वही बोल रहा हूं जिसे आपने फोन किया है।'

'तो बात ये है कि मेरा मेरीटोरियस कम जीनियस आपके सेंटर में अपीयर हो रहा है।'' बधाई जी!' 'मेरी आपसे सारे हाथ जोड़ गुजारिश है कि आप उसे अपना ही बच्चा समझें।' 'हम तो सबके बच्चों को अपना ही बच्चा समझते हैं जनाब! ऐसे में आपका बच्चा भी हमारा बच्चा!'

'जी थैंक्यू! असल में क्या है कि वह है तो मेरीटोरियस, पर परीक्षा के नाम से बहुत डरता है।' 'जी कोई बात नहीं। मैं मेरिट का पुजारी हूं। पर आपको किसने बताया कि जहां आपके मेरीटोरियस जी एग्जाम दे रहे हैं वहां मेरी ड्यूटी लगी है?'

'जी हेड ऑफिस से पता किया था कि आप यहां पेपर लेने आ रहे हैं। तो सर! ऐसा है कि मैं आपके व्हाट्सएप पर अपने मेरीटोरियस कम जीनियस का रोल नबंर सेंड कर रहा हूं। इसके बदले...मेरे भी ऊपर तक लिंक हैं।' 'आपके मेरीटोरियस कम जीनियस से लिखना तो आता है न?' 'जी लिखने में बहुत स्लो है। क्या है न कि उसके दिमाग में एक सवाल के बहुत सारे जवाब आते हैं, इसलिए वह पज़ल हो जाता है कि लिखे तो क्या लिखे? हो सके तो उसे अलग कमरे में बैठा दें। क्या यह हो जाएगा?'

'जी! जब आप कह रहे हैं तो हो जाएगा।' 'तो जनाब! उसे आप अलग कमरे में बैठा दें। मजे से पेपर करता रहेगा। वहां किताबें चल पड़ेंगी न?' 'आप कह रहे हैं तो अब चलानी पड़ेंगी। किताब में सवालों के आंसर तो ढूंढ लेगा न? उसे कहना कि किताब साथ रखे। छोटे छोटे प्रश्नों की पर्चियां मैं उसे दिलवा दूंगा। वैसे भी हमारा काम किसी पेपर देने वाले को तंग करना नहीं, उसकी पूरी सहायता करना होता है। आप चिंता न करें सर!' 'मैं तो सोच रहा हूं कि जो जनाब की इजाजत हो तो मैं उसके लिए उसके पेपर के हिसाब से उसी सब्जेक्ट का टीचर उसका पेपर करवाने भेजूं? बुरा तो नहीं लगेगा आपको?' 'जनाब! ये तो मेरी खुशकिस्मती है।' 'आप चिंता न करें। मैं आपको कुछ नहीं होने दूंगा। वैसे तो वह बहुत होशियार है, पर...मेहरबानी के लिए बहुत बहुत शुक्रिया जनाब! समझ लीजिए, आपने मेरे बच्चे को नहीं, अपने बच्चे को टॉप टेन में लाने के लिए कमर में कफन बांधा है। तो पेपर होने के बाद मिलता हूं आपसे। सच कहूं! आपने मेरा दिल जीत लिया। आप चाहें तो हर पेपर होने के बाद हम पार्टी कर सकते हैं। मेरी ओर से हरदम तैयारी समझें।' 'देखते हैं, समय कैसे इजाजत देता है सर?' ऑडियो खत्म।

उच्च शिक्षा का दृष्टिकोण बदले

डा. वरिंदर भाटिया

भारत में हर साल लाखों छात्र डिग्री लेकर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से निकलते हैं। उम्मीद होती है कि पढ़ाई पूरी करते ही उन्हें अच्छी नौकरी मिलेगी और वे अपने करियर की मजबूत शुरुआत कर पाएंगे। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है। हाल ही में टीमलीज एडटेक की एक नई रिपोर्ट ने भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था की इस सच्चाई को सामने रखा है, जिसने शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के करीब 75 प्रतिशत उच्च शिक्षा संस्थान (कॉलेज और विश्वविद्यालय) अपने छात्रों को उद्योग-अनुकूल यानी जॉब-रेडी स्किल्स देने में असफल हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में छात्र डिग्री तो हासिल कर लेते हैं, लेकिन उनमें वह व्यावहारिक कौशल नहीं होता, जिसकी आज के नियोक्ताओं को जरूरत है। इस रिपोर्ट के अनुसार कई संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने का काम कर रहे हैं, न कि छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कर रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति कितनी चिंताजनक है? देश में सिर्फ 16.67 प्रतिशत संस्थान ही ऐसे हैं, जो अपने 76 से 100 प्रतिशत छात्रों को स्नातक होने के छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। यह आंकड़ा उन संस्थानों के लिए भी निराशाजनक है, जो खुद को बेहतर प्लेसमेंट देने वाला बताते हैं। आज के समय में शिक्षा का उद्योग से जुड़ा होना बहुत जरूरी है, लेकिन ऐसा बहुत कम जगहों पर हो रहा है।

इस रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ 8.6 प्रतिशत संस्थानों ने माना कि उनके पाठ्यक्रम पूरी तरह से उद्योग की जरूरतों के अनुरूप हैं। वहीं 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने साफ कहा कि उनके कोर्स का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं है। यह स्थिति आकांक्षाओं और जमीनी हकीकत के बीच गहरे अंतर को दिखाती है। उन्होंने यहां तक कहा कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अपने तय किए गए लक्ष्यों को हासिल करने में संरचनात्मक रूप से कमजोर है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कॉलेजों में इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवी प्रोफेशनल्स की भागीदारी बहुत कम है। सिर्फ 7.56 प्रतिशत संस्थानों ने ही कई कोर्सों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल किया है। इसका असर यह होता है कि ज्यादातर छात्रों को असली दुनिया की नौकरी, बदलती भूमिकाओं और काम करने के तरीकों की सही समझ नहीं मिल पाती है। आज के समय में कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 60 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने अपने पाठ्यक्रम में ऐसे सर्टिफिकेट्स को शामिल करने पर कभी विचार ही नहीं किया। इससे छात्र ऐसे कौशल के बिना ग्रेजुएट हो जाते हैं, जिन्हें नियोक्ता तुरंत पहचान कर सकें और महत्व दें। नौकरी के लिए तैयार होने में इंटर्नशिप और अनुभवात्मक सीख की भूमिका बहुत अहम होती है। लेकिन यहां भी हालात कमजोर हैं। सिर्फ 9.4 प्रतिशत संस्थानों में सभी कोर्सों के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है। वहीं 37.8 प्रतिशत संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है। इसके अलावा, लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, जिनमें छात्र असली समस्याओं पर काम करते हैं, सिर्फ 9.68 प्रतिशत संस्थानों में ही कराए जाते हैं। इन कमियों की वजह से बड़ी संख्या में छात्र बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के नौकरी बाजार में कदम रखते हैं। ऐसे में क्लासरूम से वर्कप्लेस तक का सफर उनके लिए बेहद कठिन हो जाता है।

इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कॉलेज अपने पूर्व छात्रों के नेटवर्क का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, जबकि यह उद्योग और संस्थानों के बीच एक मजबूत कड़ी हो सकता है। सिर्फ 5.44 प्रतिशत संस्थानों ने ही बताया कि उनके पास सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क है। इससे मेंटरशिप, रेफरल और अनौपचारिक भर्ती के मौके काफी सीमित रह जाते हैं। भारतीय पाठ्यक्रम अक्सर उद्योग की जरूरतों से कटा रहता है। कैरियर परामर्श और रोजगारपरकता भी एक क्षेत्र है जिसमें भारतीय संस्थान अपने विदेशी समकक्षों से बहुत पीछे हैं। हमारा पाठ्यक्रम उन लोगों से चर्चाओं पर आधारित नहीं होता है जो अंततः हमारे छात्रों को रोजगार देते हैं या अपने यहां काम पर रखते हैं। वहीं दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त शैक्षणिक संस्थान भविष्य की संभावनाओं को समझने के लिए लगातार व्यापार, उद्योग, समाज और सरकार के साथ जुड़े रहते हैं। नौकरियों की संख्या और कर्मचारियों की मांगों में तेजी से बदलाव हो रहा है जो सीधे-सीधे शिक्षा प्रदाताओं को यह जिम्मेदारी देता है कि वह इस बदलाव का अनुमान लगाएं और छात्रों को इसके अनुरूप तैयार करें। विदेशी विश्वविद्यालयों के आने से भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इससे भारतीय संस्थानों को भी अपने मानक सुधारने की प्रेरणा मिलेगी। छात्रों को कम कीमत पर बेहतरीन शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय कोर्स मिलेंगे। इससे भारत की युवा आबादी को समृद्ध और सक्षम बनाने में मदद मिलेगी। भारत में छात्र गतिशीलता और वैश्विक शिक्षा का आदान-प्रदान नया नहीं है। तक्षशिला, नालंदा, वल्लभी, विक्रमशिला, शारदा, भदकाशी, पुष्पगिरी और उदन्तगिरी जैसे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालय 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व में शिक्षा के वैश्वीकरण के प्रतिष्ठित उदाहरण हैं। उच्च शिक्षातंत्र में सरकारी निवेश बढ़ाने की भी जरूरत है। अगर सरकार ऐसा नहीं करना चाहती है तो पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप बढ़ाने की दिशा में विचार किया जा सकता है। विदेशी संस्थानों और स्वदेशी औद्योगिक घरानों को 49 प्रतिशत हिस्सेदारी देकर निवेश बढ़ाया जा सकता है। ऐसा करके ही धन की कमी, खस्ताहाल आधारभूत ढांचे और लालफीताशाही से जूझ रहे भारतीय संस्थानों में प्राण फूंके जा सकते हैं।

इन संस्थानों के प्रबंधन और प्रशासनिक तंत्र को भी राजनीतिक हस्तक्षेप से बचाने एवं पेशेवर बनाने की दरकार है। उच्च शिक्षा को हमें उद्योग के अनुरूप पाठ्यक्रम, जरूरी इंटर्नशिप और नियोक्ताओं के साथ औपचारिक साझेदारी जरूरी शर्त माना जाना चाहिए। इन संस्थाओं को केवल अभिजात्य और अमीर वर्ग के लिए अवसर न बनकर हाशिए पर रहने वाले और वंचित वर्गों से आने वाले छात्रों के हितों की रक्षा भी करनी चाहिए और उनके समावेशन के लिए विशेष प्रावधान भी करने चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के घोषित लक्ष्य, जो कि उच्च शिक्षा के माध्यम से मानव की पूर्ण क्षमता को विकसित करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उसकी राष्ट्र की प्रगति में भूमिका सुनिश्चित करना है, को ध्यान में रखते हुए हमें सीखने की प्रक्रिया में बदलाव कर वर्तमान समय की मांग के अनुरूप नए दृष्टिकोण को अपनाने की जरूरत है। व्यवस्था के लिए चेतावनी है कि अगर समय रहते बदलाव नहीं किए गए तो भारत में एक ऐसा संकट खड़ा हो सकता है जहां डिग्रियों की संख्या तो बहुत होगी, लेकिन रोजगार के अवसर कम होंगे। यह असंतुलन न सिर्फ छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक असर डालेगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

लुधियाना में शातिर चोरों ने गैस कटर से काटा एटीएम, 7 लाख कैश लेकर हुए फरार

लुधियाना, 11 मार्च [एजेंसी] ।जालंधर बाईपास रोड पर स्थित एल्डिको के बाहर लगे आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को बीती रात चार शातिर चोरों ने निशाना बनाया। गैस कटर की मदद से एटीएम मशीन काटकर लगभग सात लाख रुपये की नकदी से भरी चार ट्रे लेकर फरार हो गए ।स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी, जिसके बाद थाना सलेम टाबरी की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है ।यह घटना रात करीब डेढ़ बजे से दो बजे के बीच हुई। लुटेरे पूरी तैयारी

के साथ आए थे और उनके पास गैस कटर सहित अन्य औजार मौजूद थे। सुरक्षा के लिहाज से रात के समय एटीएम का शटर बंद रहता है, जिसका फायदा उठाते हुए बदमाशों ने पहले गैस कटर से शटर काटा और अंदर घुस गए ।इसके बाद एटीएम मशीन को काटकर उसमें रखी नकदी की चार ट्रे निकाल लीं। अनुमान है कि इन ट्रे में करीब सात लाख रुपये की नकदी थी। घटना का पता सुबह उस समय चला जब स्थानीय लोग और एटीएम से जुड़े कर्मचारी मौके पर पहुंचे। अनिल कुमार ने बताया कि सुबह जब मौके पर पहुंचे तो एटीएम का शटर कटा हुआ था और अंदर मशीन के साथ छेड़छाड़ की गई थी ।सूचना मिलते ही पुलिस की सीआईए और स्थानीय थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट्स को भी बुलाया गया है, ताकि कोई सुराग मिल सके। पुलिस एटीएम और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ।प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वारदात में तीन से चार बदमाश शामिल हो सकते हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, एटीएम हर रोज रात के समय बंद रहता था। इसलिए लुटेरों ने पहले इसकी रेकी की थी। रात एक से सुबह पांच बजे तक इलाका सुनसान हो जाता है, इसलिए लुटेरों ने डेढ़ से दो बजे के बीच का समय तय किया। वे अपनी कार में गैस कटर मशीन और अन्य हथियार लेकर आए थे, जिसकी मदद से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस को कुछ सीसीटीवी फुटेज मिली हैं, जिसमें आरोपित वारदात करने से पहले और बाद में कैद हुए हैं। पुलिस अभी आरोपितों की लोकेशन खंगालने में लगी है।

बाराबंकी में विवाद के बाद पहुंची पुलिस के लौटते ही खूनी संघर्ष, दबंगों ने घर में घुसकर अधेड़ को उतारा मौत के घाट

बाराबंकी, 11 मार्च मारपीट व विवाद के मामले में जांच करने आई पुलिस के लौटते ही विपक्षियों ने घर पर धावा बोल दिया था। दूसरे पक्ष के व्यक्ति को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। मृतक मौजूदा त्रिवेदीगंज ब्लॉक प्रमुख का रिश्तेदार बताया जाता है ।लोनीकटरा के भोला का पुरवा निवासी मोहन व रामू, रामदेव के बीच चार मार्च को होली खेलने के दौरान विवाद हो गया था। मोहन ने अपने साथ हुई मारपीट की शिकायत पुलिस से की थी। सुबह गांव आई पुलिस ने मामले में जांच कर लौट गई। रामदेव का बेटा विनीत का आरोप है कि पुलिस के जाने के बाद विपक्षी मोहन, दीपू, जीवन, मायाराम, मनोज, अंकुल व अमर सिंह ने घर पर हमला बोल दिया। पिता को पीटकर घायल कर दिया, वह बेहोश हो गए, उस समय पर घर पर महिलाएं

ही थीं ।गंभीर रूप से घायल रामदेव को परिवारजन ने सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। हैदरगढ़ क्षेत्राधिकारी समीर सिंह ने परिवारजन से घटना के संबंध में जानकारी लेकर बयान दर्ज किए। थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्य का कहना है कि प्रारंभिक जांच में शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण साफ होगा।

माओवादी हिंसा के खिलाफ नई शक्ति और सुरक्षा की ढाल

दंतेवाड़ा। भोर का धुंधलका और बस्तर के ऊंचे साल वृक्षों की ओट.. इसी के बीच बिना आहट किए सुरक्षा बलों का एक दस्ता आगे बढ़ता है। हाथों में हथियार, पीठ पर किट, सतर्क निगाहें और अडिग संकल्प लिए। इस सैन्य अभियान का सबसे गौरवशाली हिस्सा हैं- इसमें शामिल महिला कमांडो। घर-आंगन की चौखट लांघकर ये महिलाएं आज माओवादी हिंसा के बीच सुरक्षाबलों की सबसे मजबूत ढाल बनकर सामने खड़ी हैं। दंतेवाड़ा में पदस्थ रहे पूर्व डीआइजी कमलोचन कश्यप कहते हैं कि माओवादियों के खिलाफ संघर्ष के शुरुआती वर्षों में सुरक्षाबलों के सामने कई व्यावहारिक चुनौतियां थीं। सर्च आपरेशन के दौरान संदिग्ध महिलाओं की तलाशी लेना, ग्रामीण महिलाओं से संवाद करना और गांवों के सामाजिक माहौल को समझने में अक्सर मुश्किल होती थी। माओवादी इस स्थिति का फायदा उठाकर महिला कैडरों को ढाल की तरह इस्तेमाल करते थे। इन्हीं चुनौतियों से निपटने के लिए सुरक्षाबलों ने महिला कमांडो की भर्ती की रणनीति बनाई। वर्ष 2006 में सीमित भूमिका के साथ पहली बार डीआरजी में महिला जवानों की भर्ती शुरू हुई। वर्ष 2016 के बाद विशेष प्रशिक्षण

देकर उन्हें सक्रिय अभियानों में उतारा गया और 2018 के बाद उनकी भूमिका लगातार बढ़ती गई।

दंतेवाड़ा में दंतेश्वरी फाइटर्स, सुकमा में दुर्गा फाइटर्स और सीआरपीएफ की बस्तर फाइटर्स महिला कमांडो की विशेष इकाई है। बस्तर संभाग में 2,000 से अधिक महिला जवान विभिन्न सुरक्षाबलों में तैनात हैं। इनमें करीब 120 ऐसी महिलाएं भी हैं, जो कभी माओवादी संगठनों से जुड़ी थीं। आंकड़े बताते हैं पराक्रम की कहानी सुरक्षाबलों के अनुसार, पिछले सात-आठ वर्षों में महिला कमांडो 200 से अधिक मुठभेड़ों में शामिल रही हैं। इस दौरान 150 से अधिक माओवादियों को ढेर करने में भी इनकी महत्वपूर्ण भागीदारी रही है ।इस बदलती कहानी की एक मिसाल सुंदरी इस्काम हैं। कभी माओवादियों के लिए बंदूक उठाने वाली सुंदरी आज दंतेश्वरी फाइटर्स की महिला कमांडो हैं। वह कहती हैं कि उनकी जिम्मेदारी सिर्फ माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि हम गांवों में लोगों की मदद भी करते हैं। जंगल के भीतर बसे गांवों में जब कोई बीमार होता है, तो दवा पहुंचाना, महिलाओं से बात करना और उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी देना भी हमारा काम है।

कमांडो सुमित्रा ठाकुर बताती हैं कि बस्तर के जंगलों में ड्यूटी आसान नहीं है। दिन-रात के लंबे आपरेशन, कठिन भौगोलिक परिस्थितियां और हर पल खतरे की आशंका, लेकिन इसके बावजूद महिला जवान पीछे नहीं हटतीं।

मुझे अपने पिता पर गर्व है, सीएम नीतीश के बेटे निशांत कुमार जेडीयू में शामिल, कहा- पार्टी को मजबूत करूंगा

पटना, 11 मार्च [एजेंसी]। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में शामिल हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं का आभार जताया और अभिनंदन किया। निशांत कुमार ने अपने पिता के राज्यसभा जाने के फैसले का स्वागत किया और कहा कि मैं इस उनके इस निर्णय को स्वीकार करता हूं। निशांत ने कहा, मैं सक्रिय सदस्य के रूप में पार्टी को आगे बढ़ाने का काम करूंगा। पिताजी (नीतीश कुमार) ने जो 20 साल में काम किया है, उसे जन-जन तक पहुंचाने का काम करूंगा। मुझे अपने पिता पर गर्व है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वह नीतीश कुमार पर विश्वास और अपना मनोबल बनाए रखें। इस कदम से बिहार की राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। ऐसी संभावना है किको पार्टी के भीतर कोई महत्वपूर्ण पद या बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। यह घटनाक्रम बिहार की राजनीति में एक नया मोड़ ला सकता है, जिससे जेडीयू में उनकी भूमिका अहम होगी। दरअसल, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यसभा जाने का फैसला किया है। इसके लिए उन्होंने पर्चा भी दाखिल कर दिया है। वह अप्रैल तक मुख्यमंत्री का पद छोड़ सकते हैं। नीतीश कुमार के इस फैसले के बाद अब पार्टी कार्यकर्ताओं की डिमांड को पूरा करना जरूरी हो गया था। ऐसे में निशांत कुमार की पॉलिटकल एंट्री कराई गई। पार्टी में ज्वाइनिंग के वक्त जदयू के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। पार्टी ज्वाइन करने के बाद अब निशांत कुमार पूरे बिहार का भ्रमण करेंगे। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि निशांत कुमार को बिहार का डिप्टी सीएम बनाया जाएगा, जिससे नीतीश कुमार की कमी को पूरा किया जा सके। इसके साथ ही उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जा सके।

वैशाली में साली की शादी में आए जीजा की करंट लगने से मौत, मचा कोहराम

वैशाली। पातेपुर थाना क्षेत्र के मालपुर गांव में एक शादी समारोह के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद शादी वाले घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है ।मिली जानकारी के अनुसार बहोरी महुआ निवासी रमेश चौधरी के पुत्र राजेश चौधरी अपने ससुराल मालपुर आए हुए थे। यहां उनके ससुर मनोज चौधरी के घर उनकी साली की शादी समारोह चल रहा था। शादी को लेकर काफी चहल-पहल और तैयारियां चल रही थीं ।बताया गया है कि रविवार दोपहर में घर में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इसी दौरान किसी कार्य से वहां पहुंचे राजेश चौधरी करंट की चपेट में आ गए। करंट से वह जमीन पर गिर पड़े। लोगों ने आनन-फानन में उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी ।घटना से शादी वाले घर की खुशियां पल भर में चीख-पुकार में बदल गईं। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बड़ी संख्या में आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई ।बताया गया है कि राजेश चौधरी की शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। वह अपनी साली की शादी में शामिल होने के लिए ससुराल आए हुए थे। किसी को अंदाजा भी नहीं था कि खुशी का यह अवसर इतनी बड़ी त्रासदी में बदल जाएगा ।घटना की सूचना मिलते ही पातेपुर की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

हरियाणा में महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर: मातृशक्ति उद्यमिता योजना के तहत मिलेगा 5 लाख तक का लोन, महिलाओं में खुशी

रोहतक, 11 मार्च [एजेंसी]। हरियाणा सरकार की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। हरियाणा महिला विकास निगम की ओर से गत वर्ष 2024-25 में 73,557 रुपये की सब्सिडी महिलाओं को प्रदान की जा चुकी है। डीसी सचिन गुप्ता ने बताया कि यह योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से संचालित की जा रही है ।योजना के तहत जिला के लिए वर्ष 2025-26 में 48 मामलों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिन महिलाओं की वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है और जो

हरियाणा की स्थायी निवासी हैं, वे इस योजना का लाभ ले सकती हैं। ऋण के लिए आवेदन करते समय महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए व आवेदक किसी भी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत समय पर ऋण की किस्त जमा करवाने पर 3 वर्षों तक 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान हरियाणा सरकार द्वारा महिला विकास निगम के माध्यम से दिया जाएगा ।योजना के अंतर्गत परिवहन, सेवा व लघु उद्योग से जुड़ी अनेक गतिविधियां शामिल हैं, जिनमें आटो रिक्शा, छोटा मालवाहक वाहन, ई-रिक्शा, टैक्सी, सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटो स्टूडियो, पापड़ व अचार निर्माण, हलवाई की दुकान, फूड स्टाल, आइसक्रीम यूनिट, बिस्कुट निर्माण, टिफिन सेवा तथा मिट्टी के बर्तन बनाने जैसे कार्य शुरू किए जा सकते हैं।

निशांत होंगे बिहार के उपमुख्यमंत्री, एमएलसी भी बनाएगी जेडीयू, नीतीश के करीबी विधायक ने बताया

पटना ,11 मार्च (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में इन दिनों हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बेटे को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इसी बीच ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद बनने वाली नई सरकार में निशांत कुमार को उपमुख्यमंत्री बनाने पर सर्वसम्मति बन चुकी है।

नालंदा जिले के हरनौत से विधायक हरिनारायण सिंह ने एक निजी चैनल से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री आवास पर हुई विधायक दल की बैठक में यह फैसला लिया गया कि नई सरकार में निशांत कुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि निशांत जल्द ही औपचारिक रूप से में शामिल होंगे। सिंह के अनुसार, संवैधानिक पद संभालने के लिए विधानमंडल का सदस्य होना जरूरी होता है। इसलिए संभावना है कि निशांत कुमार अप्रैल में होने वाले विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव में निर्वाचित होकर विधान परिषद के सदस्य बन सकते हैं। हालांकि यह जरूरी नहीं है कि वे अपने पिता के इस्तीफे से खाली हुई सीट से ही चुनाव लड़ें ।विधायक हरिनारायण सिंह ने यह भी कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नई सरकार बनने के तुरंत बाद निशांत कुमार को उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा या कुछ समय बाद। इस संबंध में अंतिम निर्णय पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उचित समय पर करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि दो उपमुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल कुछ कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि बैठक में केवल निशांत कुमार के बारे में ही चर्चा हुई थी ।मुख्यमंत्री पद को लेकर भी अटकलें

गौरतलब है कि निशांत कुमार के राजनीति में आने की चर्चा ऐसे समय में तेज हुई है जब उनके पिता नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री पद छोड़ने और राज्यसभा जाने की खबरें सामने आई हैं। दिलचस्प बात यह है कि नीतीश कुमार लंबे समय से वंशवादी राजनीति के आलोचक रहे हैं, लेकिन अब उनके बेटे के सक्रिय राजनीति में आने की संभावनाओं ने राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

घरेलू विवाद में हैवान बना पति... कुल्हाड़ी से वार कर की पत्नी की हत्या, लखनऊ में हुई खौफनाक वारदात

लखनऊ, 11 मार्च [एजेंसी] ।निगोहां के शेखन खेड़ा गांव में रविवार रात घरेलू विवाद के चलते एक मजदूर ने अपनी पत्नी की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी ।पुलिस के मुताबिक शेखन खेड़ा गांव में ससुराल में रह रहे मजदूर राजेश रावत ने रविवार रात अपनी पत्नी राजेश्वरी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

हमले में गंभीर रूप से घायल महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति फरार हो गया। बताया जा रहा है कि राजेश रावत मूल रूप से नगराम थाना क्षेत्र के अकरहदू गांव का रहने वाला है और कई वर्षों से अपनी ससुराल शेखन खेड़ा में ही रह रहा था। दंपति के पांच बच्चे हैं ।घटना के समय बड़ा बेटा गुलशन समेत अन्य बच्चे पड़ोस में बलराम के बेटे के पैपूंजी कार्यक्रम में गए हुए थे। इसी दौरान घर में पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया और गुस्से में आकर राजेश ने पत्नी पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में महिला की मौत हो गई और आरोपी मौके से फरार हो गया। कुछ देर बाद जब बड़ा

बेटा गुलशन घर लौटा तो उसने कमरे में चारपाई पर मां को खून से लथपथ पड़ा देखा। यह दृश्य देखकर उसने शोर मचाया। शोर सुनकर अन्य बेटे और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी ।घटना की सूचना के बाद एसओ निगोहां अनुज तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बड़े बेटे गुलशन ने बताया कि उसके पिता राजेश शराब पीने के आदी थे और पैतृक गांव में भी अक्सर नशे में झगड़ा करते थे। इसी से तंग आकर उसकी मां ने पैतृक जमीन बिकवाकर कुछ वर्ष पूर्व शेखन खेड़ा में घर बनवाकर रहना शुरू किया था, लेकिन यहां भी पिता की आदत नहीं बदली और वह अक्सर शराब पीकर घर में झगड़ा करते थे ।घटना की खबर फैलते ही गांव सहित आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और मामले की जांच कर रही है।

हिंदू समाज अपनी जड़ों की ओर लौटे, मंदिर और श्मशान पर सबका हो समान अधिकार: सुनीता हलदेकर

रांची। राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हलदेकर ने कहा कि हिंदू समाज विश्व का सबसे उदार समाज है। इसका फायदा दूसरे लोग उठाते हैं। हिंदू समाज को अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। समाज में समरसता बनी रहे, इस पर सभी लोगों को मिलकर विचार करना होगा ।समाज में मंदिर, श्मशान और जल पर सभी का समान अधिकार होना चाहिए। इसे लेकर हिंदू समाज में कोई भेदभान न हो। वे रविवार को रांची के पंडरा स्थित चटकरपुर में सनातन

समाज की ओर से आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को संबोधित कर रहीं थीं। कार्यक्रम में हिंदू समाज के सैकड़ों सदस्य एकत्रित हुए, जहां वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक संरक्षण और छुआछूत मुक्त समाज के संकल्प को दोहराया। महिलाओं की संख्या काफी थी ।सुनीता हलदेकर ने रघुकुल रीति का स्मरण कराते हुए नारी शक्ति के विस्तार, भारत माता की प्रतिष्ठा और सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन करने का आह्वान किया। पंच परिवर्तन से व्यक्ति निर्माण और सुदृढ़ परिवार व्यवस्था पर जोर दिया। कहा, परिवार में एकता बनी रहनी चाहिए। हम अलग-अलग रहें परंतु एक रहें। समय-समय पर मिलते रहें। परिवार में रहने वाले सभी लोग सप्ताह में एक दिन तो जरूरत साथ में भोजन करें। सामाजिक समरसता को बनाए रखें। घर की महिलाएं पर्यावरण संरक्षण को लेकर सजग हों। नागरिक कर्तव्यों का पालन जरूर करें। महाकुंभ की तुलना करते हुए जीवन के हर क्षेत्र में एकजुट रहने का आह्वान किया।

इस मौके पर चिन्मय आश्रम, रांची के स्वामी परिपूर्णानंद सरस्वती ने कहा, हिंदू समाज को अपने अतीत को पहचानना होगा। समाज में बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो हिंदू समाज में विभेद पैदा करने में लगे हैं। ऐसे लोगों से बचने की जरूरत है। उन्होंने परिवार में बच्चों को संस्कारवान और योग्य बनाने, परंपराओं जैसे तिलक-जनेऊ का गर्व से पालन करने तथा धन का सदुपयोग समाज-धर्म कार्यों में करने पर जोर दिया।

भोजपुर में मोबाइल पर पत्नी से हुई तकरार तो पति ने कर लिया जहर सेवन, मौत

भोजपुर। जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के कुरमुरी बाघा टोला गांव में रविवार की शाम अवैध संबंध को लेकर फोन पर पत्नी से झगड़ा के बाद पति ने जहर खा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। इलाज के लिए आरा अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया ।मृतक 42 वर्षीय सूर्य कुमार पासवान सिकरहटा थाना क्षेत्र के कुरमुरी बाघा टोला निवासी स्व. बदरी पासवान के पुत्र थे। इधर, मृतक के जीजा अशोक पासवान ने बताया कि सूर्य कुमार पासवान द्वारा बताया गया था कि उसकी पत्नी किसी बात करती है। उसने उसे फोन पर बात करते हुए सुना है। इस बात को लेकर एक माह पहले ही झगड़ा कर उसकी पत्नी मायके चली गई थी।

इमलीछापर रेलवे फाटक बंद रहने से लगा रहा लंबा जाम

लोगों को भारी परेशानियों का करना पड़ा सामना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कीओर से कुसमुंडा क्षेत्र के इमलीछापर समपार रेलवे फाटक पर मंगलवार को ओवरहॉलिंग और रोड सरफेस का काम कराया गया। इस कारण सुबह करीब 10 बजे से शाम लगभग 7 बजे तक रेलवे फाटक पूरी तरह बंद रखा गया। फाटक बंद रहने से कुसमुंडा इमलीछापर मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

मंगलवार सुबह जैसे ही कोयलांचल क्षेत्र के लोग अपने अपने काम के लिए घर से निकले और इस मार्ग पर पहुंचे, उन्हें जाम की स्थिति का सामना करना पड़ा। रेलवे फाटक बंद होने के कारण पहले से ही बड़ी संख्या में वाहन खड़े थे। धीरे-धीरे वाहनों की कतार बढ़ती चली गई और देखते ही देखते सड़क पर करीब एक से दो किलोमीटर तक जाम जैसे हालात बन गए। इस दौरान लोग काफी देर तक सड़क पर फंसे

रहे। जाम के कारण कर्मचारी, स्कूली बच्चे और आम लोग खासे परेशान रहे। तेज धूप और गर्मी के बीच सड़क पर खड़े रहना लोगों के लिए मुश्किल हो गया। कई लोग जरूरी काम से शहर की ओर जा रहे थे, लेकिन जाम के कारण उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। कई वाहन चालक तो काफी देर तक जाम खुलने का इंतजार करते रहे, जबकि कुछ लोग रास्ता बदलकर दूसरी ओर से जाने की कोशिश करते नजर आए। फाटक बंद रहने के कारण इमलीछापर रेलवे फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी। जाम का असर कुचेना मोड़ तक देखने को मिला। इस दौरान भारी वाहनों के साथ-साथ कार, ऑटो और बाइक सवार भी जाम में फंसे रहे। पूरे दिन इस मार्ग पर यातायात व्यवस्था अस्त-व्यस्त रही और लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। कई लोगों ने इस स्थिति को लेकर नाराजगी भी जताई। कुसमुंडा इमलीछापर रेलवे फाटक पर ओवरहॉलिंग और रोड सरफेस सुधार का काम किया गया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मरम्मत कार्य के दौरान समपार फाटक से होकर गुजरने वाले सड़क मार्ग बंद रखा गया था। रेलवे प्रशासन की ओर से इस कार्य की सूचना पहले ही जारी की गई थी, लेकिन कोयलांचल क्षेत्र के अधिकांश लोगों को इसकी जानकारी नहीं मिल पाई। यही वजह रही कि बड़ी संख्या में वाहन चालक उसी मार्ग पर पहुंच गए और जाम में फंस गए। कई लोगों का कहना था कि अगर उन्हें पहले से जानकारी होती तो वे दूसरे रास्ते का इस्तेमाल कर लेते।

मार्ग पर अक्सर लगता है जाम

इमलीछापर मार्ग कोयलांचल का व्यस्त मार्ग है। इसी रास्ते से बड़ी संख्या में लोग कोरबा शहर आना-छोटे और भारी वाहनों की लगातार जाना करते हैं। इस मार्ग से दिन-रात आवाजाही रहती है, जिससे यातायात का दबाव बना रहता है। लोगों का कहना है कि इस सड़क पर जाम की समस्या नई नहीं है। अधूरा सड़क निर्माण, ओवरब्रिज का अधूरा काम, बार-बार रेलवे फाटक बंद होना और कई बार भारी वाहनों के खराब हो जाने की वजह से यहां अक्सर जाम लग जाता है।

पहली बार अतिक्रमण मुक्त हुआ बुधवारी बाजार का दोनों छोर

अभियान चलाकर हटवाए गए ठेले-गुमटी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर के व्यवस्तम क्षेत्र में शामिल बुधवारी बाजार के दोनों ओर वीआईपी रोड और घंटाघर रोड के किनारे का हिस्सा पहली बार अतिक्रमण मुक्त हुआ है। नगर निगम ने इसके लिए अभियान चलाकर ठेले-गुमटी हटवाए, जिससे लोगों को राहत मिली है।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए नगर निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय के नेतृत्व में शहर में सौंदर्याकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। विशेष रूप से सीएसईबी चौक से बुधवारी बाजार होते हुए वीआईपी रोड, आईटीआई चौक, कोसाबाड़ी चौक से घंटाघर होते महाराणा प्रताप चौक के हिस्से को संवारा जा रहा है, लेकिन बुधवारी बाजार के आसपास लंबे समय से अतिक्रमण बाधा साबित हो रहा था। इसके लिए पूर्व में फुटपाथ किनारे ग्रिल लगाकर सौंदर्याकरण के साथ ही अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। इसके बाद बुधवारी बाजार के दोनों ओर वीआईपी रोड व घंटाघर रोड किनारे

ठेले-गुमटी लगने लगे थे, बाजार अंदर दुकान आवंटन के बाद भी कई व्यापारी सड़क पर सामान सजा रहे थे। इसकी वजह से यातायात व्यवस्था बाधित हो रही थी। नगर निगम ने इसके लिए बाजार के दोनों ओर बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया।

कार्य पूरा होने के बाद कुछ दिन पहले जहां फुटओवर ब्रिज की ओर के हिस्से से अतिक्रमण हटवाया गया तो वीआईपी रोड की ओर जाने वाले मोड़ के पास सड़क किनारे से ठेले-गुमटी हटवाते हुए अतिक्रमण मुक्त कराया। इससे पहले संकरा नजर आने वाले दोनों ओर की सड़क अब चौड़ी दिख रही है। यह पहली बार है, जो बुधवारी बाजार के बाहर दोनों ओर के हिस्से में दूसरे दिन भी ठेले-गुमटी नहीं लगे और क्षेत्र अतिक्रमण मुक्त हो गया है, नहीं तो पहले अतिक्रमण हटाने के चंद घंटे बाद ही फिर से ठेले-गुमटी लग जाते थे। नगर निगम की सख्ती से की गई कार्रवाई का असर दिखने से अब बुधवारी क्षेत्र में जाम, अव्यवस्थित पार्किंग और संकरी होती सड़क की समस्या से लोगों को राहत मिलने लगी है।

इलाज व खरीदारी के लिए निकले दंपती हुए हादसे का शिकार

बाल बाल बचे बच्चे, पुलिस कार्रवाई में आनाकानी का आरोप

कोरबा (छ.ग.गौरव)। घर से बच्चों के साथ इलाज व खरीदारी के लिए निकले दंपती ट्रक की चपेट में आ गए। ट्रक की ठोकर से दंपती पहिए के नीचे आ गए। हादसे में बच्चे तो सुरक्षित बच निकले, लेकिन पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें स्थानीय चिकित्सालय के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल दाखिल कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस कार्रवाई में आनाकानी कर रही है।

परिजनों ने बताया कि कटघोरा थानांतर्गत ग्राम धंवईपुर में रहने वाले सूरज रोहीदास का विवाद बबली रोहीदास से हुआ है। वे रोजी मजदूरी की तीन मासूम बच्चों का पालन पोषण करते हैं। रविवार की शाम करीब 6 बजे सूरज पत्नी और बच्चों के अलावा काजल के साथ घर से निकले थे। वे बच्चों का इलाज और राशन की खरीदारी करने जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक के चालक ने उन्हें चपेट में ले लिया। ट्रक की ठोकर से पति पत्नी नीचे आ गए, जिससे दोनो को गंभीर चोटें आई। घटना की जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रक के नीचे से निकालकर पति पत्नी को इलाज के लिए अस्पताल दाखिल कराया, जहां से उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। उनका उपचार ट्रामा वार्ड में चल रहा है। परिजनों का आरोप है कि मामले की सूचना पुलिस को दी गई थी। वे खुद मौके पर पहुंचे थे। इस दौरान दुर्घटनाकारित ट्रक की तस्वीर व वीडियो भी तैयार किया था। मौके पर बच्चों के चप्पल व ट्रक के पहिए में खून मिला था। जिसकी जानकारी थाने में तैनात एक पुलिस कर्मी को दी गई, लेकिन वे ट्रक के दुर्घटनाकारित वाहन होने से साफ इंकार कर रहे हैं। जिससे उनमें कार्रवाई को लेकर संशय की स्थिति निर्मित हो रही है। हालांकि वे पुलिस कर्मी का नाम नहीं बता सके। परिजनों ने बताया कि सूरज और उसकी पत्नी रोजी मजदूरी कर मासूम बच्चों का पालन पोषण कर रहे हैं। हादसे में पति पत्नी को गंभीर चोटें आई है, जबकि काजल भी मामूली रूप से घायल हुई है। दंपती का उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। जिससे बच्चों की परवरिश में भी अड़चन आ रही है।

श्रद्धालुओं ने शीतल पकवानों का भोग लगाकर किया ठंडा भोजन

शीतला अष्टमी पर की गई विधि विधान से पूजा अर्चना

कोरबा (छ.ग.गौरव)। चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को शीतला अष्टमी मनाया जाता है। यह पर्व 11 मार्च को यानी बुधवार को मनाया गया। परंपरा के अनुसार इसके एक दिन पहले यानी सप्तमी तिथि 10 मार्च को रांधा पुआ यानी पकवान बनाने की रस्में निभाई गई।

घरों में विभिन्न पकवान तैयार किए गए। इससे पहले अग्नि की और रोटी की पूजा की गई। बुधवार को शीतल पकवानों का भोग शीतला माता को लगाया गया। परिवार के सदस्यों ने भी ठंडा भोजन प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। शीतलाष्टमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि मौसम परिवर्तन के दौरान शरीर को संतुलित रखने वाली भारतीय जीवनशैली का भी पर्व है। शीतला माता की पूजा सप्तमी

और अष्टमी दोनों तिथियों पर अलग-अलग स्थानों पर की गई। पंचांग देखकर चैत्र कृष्ण सप्तमी का पर्व मंगलवार को मनाया गया। उदया तिथि के अनुसार शीतला अष्टमी का व्रत बुधवार को रखा गया। अष्टमी तिथि 10 मार्च की रात 1:54 बजे शुरू होकर 12 मार्च की सुबह 4:19 बजे तक रहेगी। 11 मार्च को सुबह 6:03 बजे से शाम 5:56 बजे तक माता की पूजा का शुभ समय रहा। इस अवसर पर घरों में रबड़ी, पुआ, पूरी, कांजी बड़ा, मोहनथाल, सकरपारा, नमकीन, गूंजी और पेठा हलुआ सहित कई प्रकार के पकवान बनाए गए। इनका भोग माता को लगाकर प्रसाद ग्रहण किया गया। पंडितों ने बताया कि स्कंद पुराण में शीतला माता का उल्लेख मिलता है। मान्यता है कि देवी की आराधना करने से चेचक, खसरा और अन्य संक्रामक बीमारियों से रक्षा होती है। इसी कारण इस दिन ठंडे या एक दिन पहले बने भोजन का भोग लगाने की परंपरा की शुरुआत हुई। अन्य राज्यों में इस पर्व को बसौड़ा या बास्योड़ा नाम से मनाया जाता है। महिलाएं परिवार की सुख-समृद्धि और बच्चों के लिए व्रत रखती हैं। आयुर्वेदाचार्य ने बताया कि होली के बाद ऋतु परिवर्तन होता है। मौसम ठंड से गर्मी की ओर बढ़ने लगता है। इस समय शरीर में पित्त और कफ के दोष बढ़ सकते हैं। ऐसे में एक दिन हल्का, शीतल भोजन करने से पाचन तंत्र को आराम मिलता है। प्राचीन समय में चेचक और अन्य त्वचा रोगों को शीतला माता से जोड़ा जाता था। इस दिन रसोई को विश्राम देने की परंपरा है।

सब्जी का रकबा 5 हजार हेक्टेयर तक बढ़ा

धान की जगह अब गेहूं उगाने पर फोकस कर रहे किसान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में सब्जी की पैदावार बढ़ेगी। किसान एक ओर धान के बदले गेहूं की फसल ले रहे हैं। दूसरी ओर सब्जी फसल का रकबा 19 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 24 हजार हेक्टेयर हो गया है। दलहन और तिलहन फसल का रकबा भी बढ़ने लगा है। इसकी मुख्य वजह कम पानी में होने वाले पैदावार पर किसानों का फोकस है। कृषि विभाग ने रबी में 40,730 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसमें से 40 हजार हेक्टेयर में फसल लग चुकी है।

धान की फसल को अधिक पानी की जरूरत होती है। इस वजह से भी तिलहन फसल में मूंगफली का रकबा बढ़ा है। अभी तक किसान 657 हेक्टेयर में मूंगफली की फसल लगा चुके हैं। गर्मी के समय 1 हजार हेक्टेयर रकबा बढ़ने की उम्मीद है। सब्जी की फसल में टमाटर, आलू, प्याज के साथ गेहूं, चना, मटर, गोभी की फसल ले रहे हैं। धान की फसल का लक्ष्य रकबा 514 हेक्टेयर तय किया था, पर 365 में ही इस बार फसल हो रही है। किसानों ने रागी फसल भी 10 हेक्टेयर में लगाई है। गेहूं फसल का रकबा 2224 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। पाली, पोड़ी उपरोड़ा, करतला में सबसे अधिक सब्जी होती है। यहां के किसान स्थानीय बाजार के साथ पड़ोसी जिलों में भी उपज पहुंचाते हैं। कृषि, उद्यान के साथ नाबार्ड भी किसानों को प्रोत्साहित कर रहा है। विभागों के बिना सहयोग किसान सब्जी की पैदावार ले रहे हैं। शहर के किनारे खरमोरा, झगरहा के किसान ऑर्गेनिक खेती के लिए आगे आ रहे हैं। सब्जी का यहां बड़ा बाजार है। अभी दूसरे जिलों से सब्जी पहुंचती है, लोकल सब्जी मार्केट में आने के बाद ही रेट कम होते हैं। जिले में दलहन का रकबा 8 हजार 88 हेक्टेयर है। इसमें से सबसे अधिक रकबा तिवरा का 2628 हेक्टेयर है। किसान अब कम फसल ले रहे हैं। मटर का रकबा 1090 हेक्टेयर है, लेकिन 1149 हेक्टेयर में फसल हो रही है। उड़द की 460 हेक्टेयर के बदले 580 हेक्टेयर में फसल लग चुकी है। चना फसल का रकबा 1382 हेक्टेयर है।

तेल प्रोसेसिंग यूनिट लगने से भी तिलहन खेती को बढ़ावा

करतला के किसानों ने तेल प्रोसेसिंग यूनिट लगाई है। इस वजह से यहां मूंगफली की फसल अधिक हो रही है। इसके अलावा सरसों सूर्यमुखी की फसल भी ली जा रही है। कृषि विभाग ने पाली ब्लॉक में तेल प्रोसेसिंग यूनिट लगाने की योजना बनाई है। इस क्षेत्र में भी तिलहन फसल अधिक हो रही है। झगरहा के किसान ने चार एकड़ में ऑर्गेनिक खेती की है। उन्होंने बताया कि धान के बदले सब्जी फसल से आमदनी भी दोगुना होती है। खेत में गोभी, चना, मटर के अलावा गेहूं की फसल ले रहे हैं। सब्जी की फसल में रासायनिक खाद का उपयोग नहीं करते। इसकी वजह से लोग खेत में आकर सब्जी ले जाते हैं।

सीएमडी ने उत्पादन लक्ष्य हासिल करने पर दिया जोर

गेवरा खदान का जायजा लेकर देखा माइंस प्लान

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वित्तीय वर्ष समाप्त होने में अब महीनेभर से कम का समय है। गेवरा खदान अभी के उत्पादन लक्ष्य से पीछे है, जो एसईसीएल की चिंता का कारण भी है। सीएमडी हरीश दुहन ने गेवरा खदान का जायजा लेकर वित्तीय वर्ष के बचे दिनों में उत्पादन बढ़ाकर लक्ष्य हासिल करने खदान का माइन प्लान देखा।

सीएमडी दुहन ने अधिकारियों से उत्पादन की वास्तविक स्थिति की जानकारी लेने के बाद जरूरी निर्देश दिए। सीएमडी ने खदान में चल रहे कार्य, मशीनरी की स्थिति और उत्पादन की समीक्षा की। सुरक्षा

मानकों का पालन करते हुए उत्पादन में तेजी लाने कहा। इस मौके पर एसईसीएल गेवरा एरिया जीएम अरुण त्यागी, गेवरा परियोजना के महाप्रबंधक पार्थ मुखर्जी, जीएम ऑपेशन बिलासपुर रमेश सिंदूर, एरिया जीएम ऑपरेशन नागेंद्र कुमार साहू, खान प्रबंधन के राकेश कुमार, सिविल जीएम रवि चंद्रा व एक्सकैवेशन जीएम नागेंद्र झा समेत अन्य अधिकारी व मौजूद रहे।

5 किमी घट जाएगी तहसील रोड से बालको नगर की दूरी

1.87 करोड़ रुपए की लागत से बनेगी टू-लेन सड़क

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर के तहसील रोड को सीधे बालको नगर के नजदीक रिंग रोड से कनेक्टिविटी देने डिंगापुर होते हुए 1.87 करोड़ रुपए की लागत से टू-लेन सड़क बनेगी।

इसके लिए जमीन समतलीकरण शुरू कर दिया गया है। सड़क बनने से तहसील रोड से डिंगापुर होकर वाहन सीधे रिंग रोड के डेंगुरनाला के पास पहुंचेंगे। इससे तहसील रोड से बालको नगर की दूरी 5 किमी घट जाएगी। वहीं बालको नगर से तहसील, आरटीओ ऑफिस, लेबर ऑफिस समेत मेडिकल कॉलेज अस्पताल व सड़क निर्माण के लिए जमीन समतल की गई है। पीजी कॉलेज पहुंचना आसान हो जाएगा। अभी बालको नगर के लोगों को आईटीआई चौक से चेकपोस्ट होकर या फिर रजगामार रोड से रिस्दी होकर जाना पड़ता है। डिंगापुर बायपास बनने से स्कूल-कॉलेज आने-जाने वालों को राहत मिलेगी।

अवैध व फर्जी बिजली कनेक्शन का पता लगाने चलेगा अभियान

2 लाख बिजली उपभोक्ताओं की होगी ई-केवाईसी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में अवैध व फर्जी बिजली कनेक्शन का पता लगाने 2 लाख उपभोक्ताओं की ई-केवाईसी की जाएगी। मीटर रीडर ही घरों और संस्थानों में जाकर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इससे लोगों को डिजिटल सेवाएं घर बैठे मिलेगी।

ई-केवायसी का उद्देश्य डेटाबेस अपडेट करना, बिजली चोरी रोकना, सरकारी सब्सिडी का फायदा लाभार्थियों तक पहुंचाना है। उपभोक्ताओं को व्हाट्सएप या एप के जरिए डिजिटल सेवा मिलेगी। अब तक एक ही कनेक्शन से कई जगह सुविधा लेने या बिजली चोरी की शिकायतें मिलती रही हैं। अब इस तरह की गड़बड़ियां ई-केवायसी से पकड़ में आएंगी। जिले में 2 लाख 8821 बिजली उपभोक्ता हैं। इनमें सिटी डिवीजन कोरबा के 69 हजार 609, ग्रामीण संभाग कोरबा के 65 हजार 314 और कटघोरा संभाग के 73 हजार 898 उपभोक्ता शामिल हैं। मीटर रीडर इनके घरों व संस्थानों में पहुंचकर ई-केवाईसी करेंगे। वहीं पुराने मीटर बदलकर उपभोक्ताओं के घरों व दुकानों पर स्मार्ट मीटर लगाने का काम भी जारी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623